CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 262 ता. 28 मार्च 2021, रविवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

क्या देश से बाहर है महाराष्ट्र, दूसरे राज्यों में कोरोना निष्प्रभावी हो जाता है?

मुंबई। महाराष्ट्र में बढ़ रहे कोरोना वायरस के नए मामलों के बीच महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख ने चुनावी राज्यों में रैलियों के दौरान कोरोना नियमों की अनदेखी को लेकर सवाल किया है। चुनावी राज्यों में चुनावी रैलियों के दौरान कोविड-19 मानदंडों के उल्लंघन के मद्देनजर मंत्री असलम शेख ने कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि क्या महाराष्ट्र इस देश से बाहर है, जो कोरोना वायरस के मामले केवल यहां बढ़ रहे हैं? उन्होंने पूछा कि क्या वायरस दूसरे राज्यों में निष्प्रभावी हो जाता है? समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मंत्री असलम शेख ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग पश्चिम बंगाल में रैलियों और उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में धार्मिक स्थलों पर एकत्रित हो रहे हैं। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि क्या महाराष्ट्र इस देश से बाहर है कि कोविड-19 मामले केवल यहीं बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी कोरोना संक्रमण का कम्युनिटी स्प्रेड होता है, उसे केवल महाराष्ट्र और दिल्ली में देखा जा जाता। उन्होंने पूछा कि क्या कोरोना वायरस अन्य राज्यों में निष्प्रभावी हो जाता है? बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों में देशभर में कोरोना वायरस के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और इसमें भी महाराष्ट्र से सबसे अधिक आंकड़े सामने आ रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सरकार पर देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को हमला बोला और कहा कि महाराष्ट्र कोरोना संक्रमण का केंद्र बन गया है।

कल से महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू-महाराष्ट्र में कोविड-19 के चिंताजनक प्रसार को रोकने के लिए 28 मार्च से रात में कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकर ने रविवार रात से कर्फ्यू लगाने के आदेश दिये हैं। ठाकरे ने यहां एक बैठक में स्थानीय अधिकारियों से रात आठ बजे से सुबह सात बजे तक शॉपिग मॉल को बंद रखना सुनिश्चित करने को कहा है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने आगाह किया है कि अगर लोग कोविड-19 सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते हैं

पीएम मोदी की बांग्लादेश यात्रा में छिपे हैं कई कूटनीतिक संदेश

बंगाल चुनाव पर भी होगा असर

नई दिल्ली। बंगाल चुनाव के पहले चरण के मतदान के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश यात्रा राजनीतिक और कूटनीतिक दोनों तरीके से बहुत महत्वपूर्ण समझी जा रही है। पहले चरण के चुनाव के पहले बांग्लादेश में मतुआ समुदाय के लोगों से पीएम मोदी की मुलाकात का राजनीतिक निहितार्थ निकाला जा रहा है।

जानकार मानते हैं कि चुनाव की सियासत को अगर छोड़ दें तो प्रधानमंत्री की कोविड के दौर में करीब 497 दिनों बाद पहली विदेश यात्रा के तौर पर बांग्लादेश जाना काफी खास है। चीन की इस इलाके में लगातार बढ़ती दिलचस्पी के बीच भारत ने बांग्लादेश की तमाम चिंताओं को दूर करते हुए अपने करीब रखा है। जानकार मानते हैं कि प्रधानमंत्री की यात्रा से दोनों देशो के संबंध और भी मजबूत होंगे।

कूटनीति, सुरक्षा,व्यापार अहम-दोनों देशों के संबंधों पर करीब से नजर रखने वाले विवेकानंद फाउंडेशन के सीनियर फेलो पी.के. मिश्रा का कहना है कि बांग्लादेश से भारत के रिश्ते नेबरहुड फर्स्ट की नीति के अलावा कूटनीति व सुरक्षा और परस्पर व्यापार के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश सार्क में भी भारत का महत्वपूर्ण साझेदार है। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ क्षेत्रीय रणनीति में भी भारत के लिहाज से उसका किरदार अहम है। भारत ने कोविड के दौर में रिश्तों की खास अहमियत के मद्देनजर बांग्लादेश का पूरा ख्याल रखा है।

इन वजहों से यात्रा की चर्चा

जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा राजनीतिक मायनों से अलग हटकर तीन वजहों से चर्चा में है। पहली- मुजीब बोरशो, शेख मुजीबुर्रहमान की जन्म शताब्दी, दूसरी- भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 साल और तीसरी- बांग्लादेश की स्वतंत्रता के लिए हुए युद्ध के 50 साल के स्मरणोत्सव से संबंध रखती है।

ज्वलंत मुद्दों पर आपसी समझ बढ़ाएंगे-इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए हैं। शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय वार्तालाप के अलावा, बांग्लादेश के राष्ट्रपति मो. अब्दुल हामिद, बांग्लादेश के विदेशमंत्री डॉ. ए.के. अब्दुल मोमेन के साथ भेंट से निकलने वाले नतीजे भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को नई मजबूती देंगे। दोनो देश व्यापार बढ़ाने, आवाजाही के लिहाज से संपर्क मजबूत करने, सीमा संबंधी मुद्दों, रोहिंग्या सहित तमाम ज्वलंत व प्रासंगिक क्षेत्रीय मुद्दों पर समझ बढ़ाएंगे। जानकारों का कहना है कि अहम बात यह भी है कि कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से यह प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा है।

बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच कैसे मनेगी होली और ईद

केंद्र सरकार ने राज्यों को दिया सख्ती का आदेश

नई दिल्ली। एक तरफ देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर जोर पकड़ रही है तो दूसरी तरफ होली से ईद तक कई त्योहार भी आने वाले हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लेटर लिखकर कई निर्देश दिए हैं और कोरोना प्रॉटोकॉल का पालन कराने को कहा गया है। केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि त्योहारों के दौरान भीड़ को नियंत्रित रखा जाए और मास्क और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों का पालन कराया जाए। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों को लिखी चिट्ठी में कहा कि त्योहारों के दौरान भीड़ पर नजर रखें और इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जाएं। कोरोना नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। गृह सचिव ने राज्यों के मुख्य सचिवों के नाम लिखी चिट्ठी में कहा है, 'आप जानते हैं कि देश एक अहम मोड़ से गुजर रहा है, क्योंकि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड-19 के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। स्थिति के आकलन के बाद गृह मंत्रालय ने 23 मार्च को गाइडलाइंस जारी की थी। इसमें जोर दिया गया था कि टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू किया जाए।' आगे उन्होंने लिखा, 'आगामी त्योहारों होली, शब-ए-बारात, फसलों से जुड़े त्योहार, ईस्टर, ईद उल फितर आदि के मद्देनजर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन भीड़ को नियंत्रित करें और कोरोना नियमों का पालन कराया जाए, जैसे कि मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंशिंग का ध्यान रखा जाए। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से भी लेटर जारी किया गया है।'

बिहार के सरकारी कमचारियों को होली पर तोहफा

बच्चे के जन्म पर अब मेडिकल खर्च उठाएगी सरकार

पटना। बिहार में सरकारी कर्मचारियों को होली पर मिला तोहफा। अब सरकारी कर्मचारी या अधिकारी के घर अगर बच्चा होता है तो प्रसव पर होने वाले चिकत्सकीय खर्च स्वास्थ्य विभाग उठाएगा। प्रदेश की आम जनता के साथ सरकारी कर्मी भी सुरक्षित प्रसव को लेकर जागरूक बनें, इस बाबत स्वास्थ्य विभाग ने यह पहल की है। शर्त है कि सरकार की ओर से यह सहायता प्रथम दो संतानों तक ही सीमित रहेगी।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने उपर्युक्त जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने फैसला किया है कि कर्मियों के घर बच्चे के जन्म लेने पर प्रसव के दौरान होने वाले खर्च की चिकित्सा प्रतिपूर्ति स्वास्थ्य विभाग करेगा। उपचार नियमावली के अनुसार राज्य सरकार को यह शक्ति है।

श्री पांडेय ने बताया कि वर्तमान में अखिल भारतीय सेवाओं के कर्मियों और कई राज्य सरकारें अपने कर्मियों को सामान्य प्रसव व सिजेरियन प्रसव के लिए मेडिक्लेम आधारित सुविधा उपलब्ध

कराती हैं। अब बिहार सरकार भी यह सुविधा अपने कर्मियों व अधिकारियों को उपलब्ध कराएगी। अच्छी बात यह है कि बच्चे का जन्म चाहे नॉर्मल डिलेवरी से हो या फिर सिजेरियन, दोनों स्थिति में सरकारी कर्मियों को विभाग की ओर से चिकित्सा प्रतिपूर्ति मिलेगी।

पुणे के फैशन स्ट्रीट मार्केट में लगी भीषण आग, 500 दुकानें जलकर खाक

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में देर रात एक कैंटोनमेंट एरिया में फेमस फैशन स्ट्रीट मार्केट में भीषण आग लग गई, जिसमें करीब 500 दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों की मानें तो रात में करीब 11 बजे फैशन स्ट्रीट मार्केट में आग लगने की घटना को लेकर फोन आया। इसके बाद तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के काम में जुट गईं। आग की लपटें इतनी अधिक थी कि देखते ही देखते 500 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पुणे के अग्निशमन विभाग ने जानकारी दी है कि आग पर काबू पा लिया गया है। अब तक किसी भी हताहत की सूचना नहीं है, लेकिन हॉकर्स और दुकान मालिकों को भारी नुकसान हुआ क्योंकि उनकी दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रशांत रानिपे ने बताया कि आग पर कापू पाने के लिए लगभग 16 फायर टेंडर और 2 पानी के टैंकर मौजूद थे। काफी मशक्कत के बाद करीब 1:06 बजे आग पर काबू पाया गया। हालांकि, कूलिंग ऑपरेशन अब भी जारी है और 10 अधिकारियों सहित

60 अग्निशमन अधिकारी मौके पर हैं।

इससे पहले, मुंबई के एक मॉल में स्थित अस्पताल में आग लगने के चलते कोरोना वायरस से संक्रमित नौ मरीजों की मौत हो गई थी। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने एक बयान में कहा कि अस्पताल में सभी नौ मरीजों की मौत आग लगने के बाद दम घुटने से हुई जबकि आग लगने की घटना से पहले ही कोरोना वायरस की वजह से दो मरीजों की मौत हो चुकी थी। हालांकि, अस्पताल का दावा है कि आग लगने की घटना के कारण मरीजों की मौत नहीं हुई।

अस्पताल ने कहा था कि सभी मरीजों को जीवित ही स्थानांतरित कर लिया गया था लेकिन कुछ मरीजों की हालत नाजुक थी और वे वेंटिलेटर पर थे। हमारा मानना है कि आग के कारण मरीजों की मौत नहीं हुई जबकि अन्य जगह ले जाने और दूसरे अस्पतालों में उनकी मौत हुई (जहां मरीजों को स्थानांतरित किया गया)।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और प्रत्येक मृतक के परिजन को पांच लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। ठाकरे ने कहा था कि अस्पताल को पिछले साल अस्थायी आधार पर एक कोविड-19 देखभाल केंद्र चलाने की अनुमति प्रदान की गयी थी।

पीएम के बांग्लादेश की आजादी के लिए सत्याग्रह वाले बयान पर बोले शशि थरूर

फर्जी खबर का स्वाद चखा रहे पीएम

नई दिल्ली। कांग्रेस और बीजेपी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी को लेकर बहस छिड़ गई, जिसमें प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश की आजादी के लिए सत्याग्रह करने की बात कही। प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री बांग्लादेश को भारतीय फर्जी खबर का स्वाद चखा रहे हैं। हर कोई जानता है कि बांग्लादेश को किसने आजाद कराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती और बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी के मौके पर ढाका में आयोजित मुख्य समारोह में वर्ष 1971 के युद्ध को याद करते हुए कहा कि यहां पाकिस्तान की सेना ने जो जघन्य अपराध और अत्याचार किए, उनकी तस्वीरें विचलित करती थीं और भारत में लोगों को कई-कई दिन तक सोने नहीं देती थीं। मोदी ने कहा, बांग्लादेश की आजादी के लिए संघर्ष में शामिल होना मेरे जीवन के भी पहले आंदोलनों में से एक था। मेरी उम्र 20-22 साल रही होगी जब मैंने और मेरे कई साथियों ने बांग्लादेश के लोगों की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था। कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने भी निशाना साधते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संपूर्ण राजनीतिक विज्ञान करार दिया। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट किया, क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश को पहचान दिलाने के लिए जन संघ द्वारा आयोजित सत्याग्रह का हिस्सा थे, हां, वह इसका हिस्सा थे।

महज 6 दिन में 1.8 लाख कोरोना केस, 10 प्वाइंट में जानें महाराष्ट्र का कैसा है बुरा हाल

मुंबई। देश में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भी महाराष्ट्र ही सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य बन गया है। यहां हर दिन कोरोना के नए मामले रिकॉर्ड बना रहे हैं और बीते सिर्फ 6 दिनों के अंदर ही अकेले महाराष्ट्र में ही कोरोना के 1 लाख 80 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं, इस दौरान 608 लोगों ने कोविड-19 से जान भी गंवाई है।

यह हफ्ता महाराष्ट्र के लिए सबसे ज्यादा घातक साबित हुआ है। रोज आने वाले मामलों में अब तक का सबसे बड़ा उछाल देखने को मिला है। स्थिति बेकाबू होते देख अब महाराष्ट्र सरकार ने 28 मार्च ने राज्य में नाइट कर्फ्यू लगाने का ऐलान

किया है।

21 से 26 मार्च के बीच महाराष्ट्र में कोरोना ने किस तरह हालात बदले, एक नजर उसपर

24 मार्च को, राज्य में अब तक के सबसे ज्यादा नए मामले (31 हजार 855) सामने आए। हालांकि, यह रिकॉर्ड भी अगले दो ही दिनों में पीछे छूट गया जब राज्य में इससे भी ज्यादा नए कोविड-19 केस रिपोर्ट हुए।

बीते 6 दिनों में अकेले मुंबई में ही कोरोना वायरस के 26 हजार 765 नए मामले आए हैं और 57 मौतें हुई हैं। मुंबई के लिए भी यह साल काफी घातक साबित हो रहा है। 24 मार्च को मुंबई में एक दिन के सबसे ज्यादा 5 हजार 190 नए मामले सामने आए।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सभी जिला प्रशासनों को यह आदेश दिया है कि वह रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाएं। 25 मार्च, 2020 को लॉकडाउन की घोषणा के बाद पूरे राज्य में प्रतिबंध लगाने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य बन गया है।

मौजूदा समय में अकेले महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 2 लाख 82 हजार 451 सक्रिय मामले हैं।

कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामलों वाले देश के 10 में से 9 जिले महाराष्ट्र के हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पुणे में सबसे ज्यादा 50 हजार 240 ऐक्टिव केस हैं।

इसके अलावा, नासिक में भी शुक्रवार को सबसे ज्यादा 4 हजार 99 केस दर्ज किए गए। नागपुर में लॉकडाउन लगा दिया गया है इसके बावजूद शुक्रवार को यहां अब तक के सबसे ज्यादा 4 हजार 95 नए केस सामने आए।

मुजफ्फरपुर में बनेगा सौ बैड का ईएसआई अस्पताल

केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

पटना। अच्छी खबर! बिहार के मुजफ्फरपुर में भी अब सौ बैड का ईएसआई अस्पताल बनेगा। यह अस्पताल सभी प्रकार की आधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं के साथ शुरू करने की योजना है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने इस अस्पताल के निर्माण की स्वीकृति दे दी है। इस अस्पताल को स्वतंत्र रूप से कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा ही संचालित किया जाएगा। इस अस्पताल के बनने से मुजफ्फरपुर और उसके आसपास के इलाके के कर्मचारियों को इलाज में सुविधा होगी।

श्रम संसाधन विभाग द्वारा मुजफ्फरपुर में ईएसआई अस्पताल खोले जाने के लिए केंद्र से आग्रह किया गया था। जिससे उत्तरी बिहार के लोगों खासकर तिरहुत प्रमंडल में कार्यरत कर्मियों के साथ औद्योगिक क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराई जा सके। इस अस्पताल के लिए राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर मंजूरी की जानकारी कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्रीय कार्यालय को पत्र के माध्यम से

केंद्रीय राज्य बीमा निगम, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सहायक निदेशक ज्ञानरंजन बेहरा ने दी है।

बता दें कि इसी साल 15 जनवरी को श्रम विभाग के प्रधान सचिव के साथ ईएसआई के डीन डॉ. असीम दास, डॉ. पीएल चौधरी एवं उनके सहयोगियों के साथ बैठक हुई थी। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप बिहटा का ईएसआई अस्पताल सभी प्रकार की सुविधाओं के साथ कार्यरत है। इससे पटना के पश्चिमी क्षेत्र के लाभुकों, कार्यरत कर्मियों के साथ औद्योगिक क्षेत्र में निवास करने वाले परिवारों को भी चिकित्सीय सुविधा का लाभ मिलने लगा है। यहां मेडिकल की पढ़ाई भी इसी सत्र से शुरू की जाएगी।

तिरहुत प्रमंडल के कर्मियों को होगा लाभ

श्रम संसाधन विभाग के प्रधान सचिव मिहिर कुमार का कहना है कि मुज़फ्फरपुर में इस अस्पताल का निर्माण तिरहुत प्रमंडल के कर्मियों के लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा। यह ईएसआई के एक बड़े अस्पताल के रूप में जाना जाएगा। इस अस्पताल से नेपाल के सीमावर्ती जिलों के लोग भी लाभान्वित होंगे।

CMYK

भाजपा की सरकार आई तो असम में लैंड और लव जिहाद पर कानून बनाया जाएगा : शाह

गुवाहाटी ।

असम विधानसभा चुनाव चरम पर है और मोरीगांव में अपनी चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लव और लैंड जिहाद पर कानून बनाने के मुद्दे उठाए। शाह ने यहां पर लोगों से वादा किया कि अगर उनकी सरकार आती है तो लैंड और लव जिहाद पर कानून बनाया जाएगा। शाह के उस बयान को 2011 की जनगणना के उस आंकड़े से जोड़ा जा रहा है, जिसमें असम में मुस्लिमों की 30 फीसदी आबादी की बात कही गई थी। इसके अलावा शाह ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में शामिल बदरुद्दीन अजमल की पार्टी पर भी जमकर कटाक्ष किया। शाह के इस बयान की पृष्ठभूमि में बदरुद्दीन अजमल थे, जिन पर भाजपा ने जमकर हमला बोला। शाह ने भी असम की रैली में कहा कि वह एआईयूडीएफ के चीफ बदरुद्दीन अजमल को असम की पहचान नहीं बनने दे सकते। बीजेपी आरोप लगाती रही है कि बदरुद्दीन अजमल की सरकार आई तो असम में घुसपैठ और लव जिहाद जैसे मामले बढ़ेंगे। बीजेपी के कई नेता ऐसे दावे करते रहे हैं कि असम में कांग्रेस की सरकार के समय में मुस्लिम जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और इसके कारण यहां लव जिहाद और घुसपैठ जैसे अपराधों को राजनीतिक संरक्षण भी मिलता रहा है।कुछ रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए भाजपा नेता आरोप लगाते रहे हैं कि असम में 2001 में मुस्लिमों की जो जनसंख्या 5 फीसदी थी, वह 2011 की जनसंख्या के दौरान 25 फीसदी तक हो गई। ऐसे में आने वाले वक्त में घुसपैठ के प्रभाव से असम एक मुस्लिम बाहुल्य प्रदेश बन जाएगा, जहां पर बाहरी तत्वों का बड़ा दखल भी होगा। असम में घुसपैठ का मुद्दा चुनावी रैलियों का बड़ा विषय रहा है और भाजपा एक लंबे वक्त से यह कहती रही है कि उसकी सरकार आने के बाद घुसपैठियों को असम से बाहर किया जाएगा। असम में मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के कारण राज्य के 11 जिले ऐसे हैं, जहां मुस्लिम समुदाय के लोगों की आबादी हिंदुओं से अधिक हो गई है। दावा किया जाता है कि जहां हिंदुओं की जनसंख्या की वृद्धि दर 2-3 फीसदी है, वहीं मुस्लिम 20-25 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस की सरकारों में इन सभी को संरक्षण देकर अधिकार दिलाए गए हैं और अगर बदरुद्दीन अजमल जैसे नेताओं के साथ कांग्रेस फिर सत्ता में आती है तो एक बार फिर यही होगा। भाजपा जिन जिलों के नाम इस लिस्ट में शामिल करती है, उसमें उसी मोरीगांव का नाम शामिल है जहां शाह ने अपनी रैली में लव और लैंड जिहाद पर कानूनी बनाने की बात कही।

मोरीगांव के अलावा लिस्ट में करीमगंज, नाइगांव, गोलपाड़ा, हैलाकांडी, धुबरी, बारपेटा के नाम भी शामिल हैं। ये सभी इलाके सीमांत क्षेत्रों में हैं और यहां पर बांग्लादेश के रास्ते घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा है। ऐसे में भाजपा को सत्ता में लाने की अपील करने वाले पार्टी के शीर्ष नेता कहते हैं कि अगर कांग्रेस की सत्ता एआईयूडीएफ जैसे संगठनों की मदद से आती है तो यहां पर घुसपैठ को रोकना असंभव होगा। वहीं सत्ता के केंद्र में बैठे पीएम नरेंद्र मोदी जैसे नेता भी इस बार चुनाव में कह चुके हैं कि कांग्रेस सिर्फ असम में घुसपैठ का दावा करती है। वहीं असम एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां पर एनआरसी की प्रक्रिया विवादों के बावजूद कराई गई। भले ही इसे लेकर सवाल खड़े हुए हों, लेकिन इस पृष्ठभूमि पर ही बीजेपी अब कहने लगी है कि असम में घुसपैठिए राज्य की पहचान प्रभावित कर रहे हैं और अगर उसकी सरकार आएगी तो ऐसे लोगों को बाहर किया जाएगा।

पीएम मोदी ने आचार संहिता का उल्लंघन किया, चुनाव आयोग से करेंगे शिकायत: ममता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जब सन 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान बांग्लादेशी अभिनेता ने हमारी रैली में हिस्सा लिया था तो भाजपा ने बांग्लादेश सरकार से बातचीत कर उसका वीजा रद्द कराया था। उन्होंने कहा कि जब यहां बंगाल में चुनाव हो रहे हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी बांग्लादेश में जाकर एक हिस्से से वोट मांग रहे हैं। ऐसे में आपका वीजा क्यों न रद्द कर दिया जाए? हम चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेंगे। ममता बनर्जी ने कहा यहां चुनाव चल रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी बांग्लादेश जाते हैं और बंगाल पर व्याख्यान देते हैं। यह चुनाव आचार संहिता का पूरी तरह उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बांग्लादेश के ओरकांडी में मतुआ समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इससे पहले प्रधानमंत्री मतुआ समुदाय के मंदिर गए और फिर वहां लोगों को एक कार्यक्रम में संबोधित किया।

कोयंबटूर में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्मृति ईरानी ने किया डांडिया

नई दिल्ली। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार में लगी भाजपा अपने प्रचार का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है। अपने स्टार प्रचारकों के जरिए लगातार मतदातओं का आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। शनिवार को कोयंबटूर पहुंची स्मृति ईरानी को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ डांडिया करते देखा गया। वह कोयंबटूर दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार वनाथी श्रीनिवासन के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंची थी। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ डांडिया करते समय स्मृति ईरानी ने कोरोना गाइडाइन्स का खास ध्यान रखा, सभी लोग मास्क लगाकर डांडिया करते हुए दिखाई दिए। तमिलनाडु में छह अप्रैल को मतदान होगा। जबकि दो मई को वोट की गिनती की जाएगी। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटे हैं।

मध्य प्रदेश : भोपाल के गांधी नगर में एयरक्राफ्ट क्रैश, तीन पायलट घायल

नेशनल डेस्क : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शनिवार को एक छोटा एयरक्राफ्ट हादसे का शिकार हो गया है। इस हादसे में तीन पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त विमान खाली मैदान में क्रैश हुआ है। फिलहाल, स्थानीय लोगों के हताहत होने की खबर नहीं है। इस विमान दुर्घटना में की जानकारी गांधी नगर के एसएचओ अरूण शर्मा ने दी है। खबरों की मानें तो यह एक सर्वे विमान था जिसने भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। टेकऑफ होने के कुछ देर बाद ही विमान क्रैश होकर गांधी नगर के पास खेत में गिर गया। इस हादसे में दो ट्रेनी पायलट और कैप्टन अश्विनी शर्मा घालय हो गए हैं, सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भोपाल के ृस्क्र दिनेश कौशल ने जानकारी देते हुए बताया कि विमान गांधीनगर के पास बड़वाई गांव के खेत में गिरा। बताया जा रहा है कि कैप्टन अश्विनी शर्मा अपने दो ट्रेनी पायल के साथ विमान को लेकर गुना जा रहे थे। थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि विमान में कोई तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट ने विमान पर से अपना नियंत्रण खो दिया। विमान भारत सरकार के एक सर्वे कार्यक्रम में लगा हुआ था।विमान में सवार दो अन्य ट्रेनी पायलटों की पहचान समी और राज के तौर पर हुई है। समी और राज को मामूली चोट आई है।

30 से अधिक कर्मियों के संक्रमित होने के बाद 48 घंटों के लिए बंद किया गया होटल ताज

ऋषिकेश। उत्तराखंड में पांच सितारा होटल ताज ऋषिकेश और आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम प्रशासन के लिए चिंता का कारण बन गए हैं। ये दोनों स्थान कोरोना के हॉट स्पॉट के रूप में सामने आए हैं। प्रशासन ने 5 स्टार होटल ताज को 48 घंटों के लिए बंद कर दिया है। क्योंकि उसके 30 से अधिक कर्मचारियों में पिछले तीन दिनों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। इस समय होटल में कुल 140 मेहमान हैं। इसी बीच, ऋषिकेश में एक आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के तीन मामलों की पुष्टि हुई है। नरेंद्र नगर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट युक्ता मिश्रा के अनुसार ऋषिकेश के बयासी क्षेत्र में ताज ऋषिकेश रिज़ॉर्ट और स्पा अगले 48 घंटों के लिए बंद रहेंगे। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बहुत सारे कर्मचारियों में कोरोना वायरस मिलने के बाद यह आदेश जारी किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिसॉर्ट ने अपने कर्मचारियों का परीक्षण तब शुरू किया जब एक वरिष्ठ प्रशासक में कोरोना संक्रमण की पुष्टि की गई। डॉ जगदीश जोशी ने कहा रिजॉर्ट से एकत्र किए गए 80 से अधिक नमूनों की रिपोर्ट अभी भी लंबित है। हालांकि, वहां 140 मेहमानों के परीक्षण या उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। दौरा करने वाले स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, कि रिसॉर्ट प्रशासन मेहमानों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए रिसॉर्ट को अधिक समय तक बंद रख सकता है। उल्लेखनीय है कि हरिद्वार में कुंभ का आयोजन हो रहा है। यहां बड़ी संख्या में बाहर के लोग भी आ रहे हैं। इनसे कोरोना फैलने की आशंका बनी हुई है।

सीजीएसटी पश्चिमी दिल्ली के अधिकारियों ने 9 करोड़ रु के इनपुट टैक्स क्रेडिट की धोखाधड़ी मामले में 1 व्यक्ति को गिरफ्तार

नई दिल्ली । खुफिया जानकारी के आधार पर पश्चिमी दिल्ली के केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्त कार्यालय के एंटी-इवेशन ब्रांच के अधिकारियों ने करीब 9 करोड़ रुपये के वस्तु रहित इन्वॉइस के जरिए अस्वीकार्य इनपुट टैक्स क्रेडिट लाभ लेने/उपयोग करने और उसके हस्तांतरण से जुड़े एक मामले का खुलासा किया। इस गतिविधि में अस्वीकार्य क्रेडिट का लाभ लेने/ उपयोग करने के इरादे से विविध फर्मों का संचालन शामिल है। इस फर्जीवाड़े के नेटवर्क में प्राथमिक लाभमेसर्स इशिता इस्पातऔर मैसर्स एच.एम.ट्रेडिंग कंपनियों को मिला है,जिनकेप्रोपराइटर नवीन बंसल हैं और रिकॉर्ड से पता चला है कि वह अन्य दो फर्मों को भी चला रहे थे। ये इकाइयां धातु स्क्रैप के बिजनेस से जुड़ी हुई हैं। और वस्तु रहितइन्वॉइस का इस्तेमाल करके अस्वीकार्य आईटीसी का लाभ लेने में शामिल हैं। नवीन बंसल ने अपने अपराध को स्वीकार करते हुए एक स्वैच्छिक बयान दिया।

महाराष्ट्र सरकार ने 15 अप्रैल तक बढ़ाए कोरोना प्रतिबंध, मास्क नहीं पहनने पर 500 रुपए जुर्माना

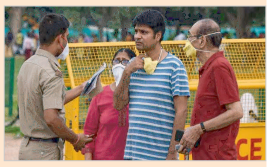

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है. अब राज्य सरकार ने कोरोना प्रतिबंधों को 15 अप्रैल तक के लिए लागू कर दिया है. सरकार के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति अब बिना मास्क के दिखा तो उसे 500 रुपए फाइन देना पड़ेगा. शुक्रवार से बीच और गार्डेन जैसी सार्वजनिक जगहें रात 8 से लेकर सुबह 7 बजे तक बंद रहेंगी. इन नियमों का उल्लंघन करने पर 1000 रुपए का जुर्माना देना होगा. वहीं शुक्रवार 27 मार्च से रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक धारा 144 लागू रहेगी. इसके अलावा सड़क पर थूकने पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा. मॉल, सिनेमा हॉल और रेस्टोरेंट रात आठ बजे से सुबह सात बजे तक बंद रहेंगे. लेकिन रात में खाने की होम डिलीवरी की छूट दी गई. इसके अलावा किसी भी तरह से सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रम पर रोक लगा दिया गया है. अंतिम संस्कार में 20 से ज्यादा लोगों को शामिल होने की इजाजत नहीं होगी. समुद्र तटों तक पहुंच प्रतिबंधित रहेगी. इससे पहले खबर आई थी कि मुंबई में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अब सख्ती और बढ़ाई जा रही है. मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने कहा है कि 28 मार्च की रात 10 या 11 बजे से नाइट कर्फ्यू लगाया जा सकता है. उन्होंने यह भी बताया कि अब मनपा चार या पांच केस मिलने पर पूरी सोसायटी सील कर देगी. महापौर ने कहा कि अगर मुंबईकर नाइट कर्फ्यू के दौरान सड़कों पर बेवजह घूमते हुए मिले तो उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. नाइट कर्फ्यू के दौरान मनपा के मार्शल सड़कों पर तैनात रहेंगे.

महाराष्ट्र में 15 अप्रैल तक बढ़ाए गए कोरोना प्रतिबंध, सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर 1,000 रुपये फाइन

नेशनल डेस्क।

कोविड-19 के मामलों में हाल में हुई बढ़ोतरी पर काबू करने के लिए जूझ रही महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना प्रतिबंधों को 15 अप्रैल तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उद्धव सरकार ने सूबे के राजनीतिक और धार्मिक सहित सभी प्रकार की सभाओं के आयोजन पर पूर्ण प्रतिबंध की शनिवार को घोषणा की। एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि रेस्तरां, उद्यान और मॉल रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक बंद रहेंगे। आदेश में यह भी कहा गया है कि लोगों को रात 8 बजे से सुबह 7 बजे के दौरान समुद्र तटों पर जाने की अनुमति नहीं होगी, ड्रामा थिएटर भी शनिवार रात से बंद रहेंगे। ये आदेश शनिवार की मध्यरात्रि से लागू होंगे।

उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना

हालांकि, सरकार ने अपने नए दिशानिर्देशों में रात के समय खाने की डिलीवरी में छूट दी है। आदेश में कहा गया है, ''रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश 27 मार्च की मध्यरात्रि से लागू होगा। उल्लंघन करने पर प्रति व्यक्ति 1,000 रुपये का जुर्माना लगेगा।'' उन्होंने कहा, ''बगीचों और समुद्र तटों सहित सभी सार्वजनिक स्थानों को इसी अवधि के दौरान बंद रखा जाएगा और उल्लंघनकर्ताओं पर प्रति व्यक्ति 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

धार्मिक समारोहों के आयोजन पर प्रतिबंध

मास्क न पहनने पर 500 रुपये का जुर्माना लगेगा जबकि सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।'' इसमें कहा गया है कि राज्य में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक समारोहों के आयोजन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है। आदेश में कहा गया है कि प्रेक्षागृह या ड्रामा थिएटर को इस तरह के आयोजनों के लिए अपनी संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

जिस दिन किसान नेता चाहें, आंदोलन का समाधान उसी दिन निकल आएगा: तोमर

नेशनल डेस्क।

केन्द्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमा पर करीब चार माह से चल रहे आंदोलन के बीच केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने शनिवार को कहा कि कृषि आंदोलन के नेता जिस दिन चाहेंगे कि रास्ता निकालना है, उसी दिन समाधान हो जाएगा। एक सवाल के जवाब में तोमर ने ग्वालियर में मीडिया से बात करते हुए कहा, चार महीने से आंदोलन कर रहे किसान नेता जिस दिन चाहेंगे कि रास्ता निकालना है, उसी दिन समाधान हो जाएगा और सरकार भी रास्ता निकाल लेगी। उन्होंने कहा, सरकार बातचीत के लिए तैयार है और समाधान चाहती है। जब उनसे पूछा गया कि असम और बंगाल में भाजपा की स्थिति कैसी है, तो तोमर ने कहा, च्मैं असम में ही चुनाव प्रचार करने गया था और वहीं से सीधे ग्वालियर आ रहा हूं। आज असम और पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, असम में तो भाजपा की सरकार पहले से ही थी और वहां पर सरकार ने अच्छा काम किया। लंबे समय के बाद असम के लोगों को इसका अहसास भी हुआ और वहां के लोगों ने भाजपा सरकार में शांति, सुरक्षा और विकास को देखा। इसलिए फिर से वहां भाजपा सरकार आएगी।

पश्चिम बंगाल में तो वहां की राज्य सरकार के संरक्षण में अराजकता का माहौल लोग देख रहे हैं और वहां भी भाजपा बहुत अच्छी स्थिति में है।

मथुरा की महिला में मिला दक्षिण अफ्रीका का कोविड स्ट्रेन, फैली सनसनी

मथुरा । कृष्णनगरी मथुरा में एक महिला में दक्षिण अफ्रीका का कोविड स्ट्रेन मिलने की खबर के बाद सनसनी फैल गई। स्वास्थ्य विभाग ने इसके प्रसार को रोकने की व्यूह रचना तैयार कर ली है। रैपिड रिस्पान्स टीम के इंचार्ज डॉ. भूदेव सिंह ने बताया कि मथुरा जिले के बरसाना थाना क्षेत्र के कमई गांव की एक महिला की जांच में यह स्ट्रेन पाया गया है। यह महिला इसी माह की शुरूवात में गोवर्धन परिक्रमा के लिए आई थी तथा एक धर्मशाला में भी ठहरी थी। जिस धर्मशाला में वह ठहरी थी उसके लोगों की भी जांच कराई जाएगी। डॉ. सिंह ने बताया कि गोवर्धन परिक्रमा करने के बाद घर गई महिला की तबियत जब खराब होने लगी थी तो उसका नमूना लिया गया था। दीनदयाल उपाध्याय वेटेरिनरी यूनिवर्सिटी की कोविड-19 प्रयोगशाला में इसकी जांच हुई थी और संदेह होने पर नमूने को लखनऊ 'जीनोम सीक्वेन्सिंग' जांच के लिए पांच मार्च को भेज दिया गया था। उसकी रिपोर्ट आज आई है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका का कोविड स्ट्रेन पाया गया है।

एयर इंडिया का विनिवेश करने या बंद करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं : पुरी

नई दिल्ली ।

कर्ज में डूबी सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी एयर इंडिया को इस बार नया मालिक मिल सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि सरकार ने एयर इंडिया को पूरी तरह बेचने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास इसका निजीकरण करने या फिर इसे बंद करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं हैं।

पुरी ने कहा हमने फैसला किया है कि इंयर इंडिया का 100 फीसदी निजीकरण किया जाएगा। सरकार के पास इसका विनिवेश करने या फिर इसे बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं हैं। एयर इंडिया फर्स्ट क्लास एसेट है, लेकिन कंपनी पर 60 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। हमें इसे इस स्थिति से उबारना है। सोमवार को हुई पिछली बैठक में यह तय किया गया कि शॉर्टलिस्ट बिडर्स को बताया जाएगा कि बोली के लिए 64 दिन का समय होगा। इस बार सरकार पूरी तरह कृतसंकल्प है और इसमें कोई दुविधा नहीं है।

एयर इंडिया की खरीद के लिए बोली लगाने के लिए टाटा ग्रुप और स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह को शॉर्टलिस्ट किया गया है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप और अजय सिंह को एयर इंडिया के खातों, समझौतों और देनदारियों को लेकर जरूरी पड़ताल करने के बाद फाइनेंशियल बिड सबमिट करनी होंगी। फाइनेंशियल बिड में उन्हें यह बताना होगा कि एयर इंडिया का कितना कर्ज वे वहन करना चाहते हैं और कितना एडवांस पेमेंट करेंगे। दोनों में से जो भी अपनी बिड में एयर इंडिया के लिए सबसे ज्यादा इकोनॉमिक वैल्यू कोट करेगा, वह बिड जीत लेगा। एयर इंडिया की एंटरप्राइज वैल्यू का कम से कम 15 फीसदी कैश में पेमेंट करना होगा। बाकी को कर्ज के तौर पर रखा जा सकता है।

कोर्ट ने मुजफ्फरनगर दंगा से संगीत सोम समेत 12 भाजपा नेताओं के खिलाफ केस वापस लेने की दी अनुमति

मुजफ्फरनगर।

यूपी के मुजफ्फरनगर में हुए दंगों के मामले में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा और संगीत सोम समेत 12 नेताओं को बड़ी राहत मिली है। एक स्थानीय अदालत ने 2013 में दंगों के मामले में इन नेताओं के खिलाफ केस वापस लेने की इजाजत दे दी है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश राणा, सरधना से भाजपा विधायक संगीत सोम, पूर्व भाजपा सांसद भारतेंदु सिंह और विहिप नेता साध्वी प्राची के साथ ही कुल 12 भाजपा नेताओं के खिलाफ हिंसा भड़काने का मामला वापस लेने की अदालत ने अनुमति दे दी है। विशेष न्यायालय के न्यायाधीश रामसुध सिंह ने सरकारी वकील को शुक्रवार को मामला वापस लेने की इजाजत दी है। सरकारी वकील राजीव शर्मा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने और लोक सेवक को कर्तव्य करने से रोकने के संबंध में भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि इन लोगों ने एक महापंचायत में हिस्सा लिया और अगस्त 2013 के आखिरी सप्ताह में भड़काऊ भाषण दिए। जिसके बाद इलाके में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। सरकारी वकील ने अदालत में याचिका दायर की थी कि उत्तर प्रदेश सरकार ने भाजपा नेताओं के

खिलाफ मुकदमा आगे नहीं बढ़ाने का जनहित में फैसला किया है और अदालत को इस मामले को वापस लेने की याचिका मंजूर करनी चाहिए। मुजफ्फरनगर और उसके पड़ोसी जिलों में सितंबर 2013 में सांप्रदायिक दंगे भड़के थे। कवाल गांव में दो युवकों की हत्या के बाद भड़की हिंसा में कम से कम 62 लोगों की मौत हो गई थी और 50,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हुए थे।

पत्नी को गुजारा भत्ता देना पति का कानूनी दायित्व, वह जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकता : अदालत

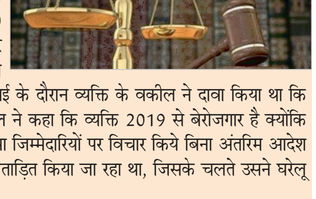

नेशनल डेस्क। दिल्ली की एक अदालत ने अलग रह रही पत्नी को अंतरिम गुजारा भत्ता देने के आदेश को चुनौती देने वाली एक व्यक्ति की अपील को खारिज करते हुए कहा कि विधिपूर्वक विवाह करके लाई गई पत्नी को गुजारा भत्ता देना पति का सामाजिक तथा कानूनी दायित्व है और वह अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकता। हालांकि अदालत ने कहा कि चूंकि पत्नी पढ़ी-लिखी है लिहाजा उसे भी अपने लिये कोई नौकरी ढूंढनी चाहिये और घर में खाली बैठकर अपनी प्रतिभा को बर्बाद नहीं होने देना चाहिये। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्वर्ण कांत शर्मा ने कहा कि मजिस्ट्रेट अदालत का यह आदेश सही है कि पति अपनी पत्नी को अंतरिम गुजारे भत्ते के तौर पर प्रतिमाह 20 हजार रुपये प्रदान करे। अदालत ने 25 मार्च को पारित आदेश में कहा, 'स्थापित कानून के अनुसार अपीलकर्ता (पति) विधिपूर्वक विवाह करके लाई गई पत्नी को गुजारा भत्ता देने की अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकता। यह पत्नी के प्रति उसका सामाजिक तथा कानूनी दायित्व है।' सुनवाई के दौरान व्यक्ति के वकील ने दावा किया था कि उसकी पत्नी बिना किसी कारण ससुराल से चली गई और वापस आने से इनकार कर दिया। वकील ने कहा कि व्यक्ति 2019 से बेरोजगार है क्योंकि पढ़ाई करने के लिये उसने नौकरी छोड़ दी थी। लिहाजा निचली अदालत ने उसकी मौजूदा स्थिति तथा जिम्मेदारियों पर विचार किये बिना अंतरिम आदेश पारित किया। पत्नी के अधिवक्ता अमित कुमार ने दलील दी कि ससुराल में उसको कथित रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके चलते उसने घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और अपने भाई के साथ रहने लगी।

सार समाचार

कुत्तों और घोड़ों को पेंशन देने की योजना बना रहा है पोलैंड देश!

वारसॉ (पोलैंड)। पोलैंड पुलिस, बॉर्डर गार्ड और दमकल सेवाओं से सेवानिवृत्त होने वाले अपने कुत्तों और घोड़ों को पेंशन देने की योजना बना रहा है ताकि देश की सेवा करने वालों को सेवा के बाद भी सामाजिक सुरक्षा मिल सके। अभी तक सेवारत कुत्तों और घोड़ों को सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी देखभाल मिलनी बंद हो जाती है और उन्हें गैर सरकारी संगठनों या ऐसे लोगों को सौंप दिया जाता है जो उन्हें गोद लेना चाहते हैं। सुरक्षा बलों/पुलिस के सदस्यों आदि की अपील पर गृह मंत्रालय ने एक नये कानून का प्रस्ताव रखा है जिसके तहत इन कुत्तों और घोड़ों को आधिकारिक दर्जा और सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन देने की योजना है ताकि इनके नये मालिक उनकी देखभाल पर आने वाले मोटे खर्च से परेशान ना हों। गृह मंत्री मॉरिस कमिन्सकी ने प्रस्तावित कानून के मसौदे को नैतिक जिम्मेदारी बताया है, जिसे संसद से आम सहमति मिलनी चाहिए। इस विधेयक साल के अंत में संसद में पेश होना है।

अभियोजन पक्ष डेनियल पर्ल मामले में मुख्य आरोपी के अपराध को साबित करने में रहा विफल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने 2002 में अमेरिकी पत्रकार डैनियल पर्ल के सनसनीखेज अपहरण और हत्या मामले के मुख्य आरोपी अल-कायदा के आतंकवादी अहमद उमर सईद शेख के अपराध को साबित करने में विफल रहने के लिए अभियोजन पक्ष की आलोचना की। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को 43 पृष्ठों का अपना विस्तृत फैसला जारी किया, जिसे न्यायमूर्ति सरदार तारिक मसूद ने लिखा है, जो तीन सदस्यीय पीठ का हिस्सा हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यायाधीशों ने कहा कि सुनवाई के दौरान प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों में तथ्यात्मक और कानूनी खामियां थीं। इस फैसले में यह कारण बताया गया है कि उच्चतम न्यायालय ने क्यों 28 जनवरी को उमर शेख और अन्य को बरी कर दिया और प्रमुख संदिग्ध के साथ ही फहद नसीम अहमद, सैयद सलमान साकिब और शेख मोहम्मद आदिल को रिहा करने का आदेश दिया था। न्यायालय ने 2-1 के बहुमत से यह फैसला सुनाया था। पर्ल (38), द वॉल स्ट्रीट जर्नल के दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख थे।

स्वेज़ नहर में पांचवें दिन भी फंसा रहा पोत, अमेरिका ने की मदद की पेशकश

स्वेज़ (मिस्र)। मिस्र की स्वेज़ नहर में शनिवार को लगातार पांचवें दिन एक बड़ा मालवाहक पोत फंसा रहा। वहीं अधिकारियों ने पोत को हटाने और अहम वैश्विक जलमार्ग को खोलने के लिए कई और कोशिशें करनी की योजना बनाई है। एशिया और यूरोप के बीच माल लेकर जाने वाला, पनामा के ध्वज वाला'द एवर गिवन' जहाज स्वेज़ शहर के समीप मंगलवार कोनहर में फंस गया था, जिससे यातायात बाधित हो गया। यह जलमार्ग वैश्विक परिवहन के लिए अहम है। 'एवर गिवन' की तकनीकी प्रबंधक बर्नहार्ड शुल्त शिपमैनमेंट ने कहा कि शुक्रवार को नहर का रास्ता खुलवाने के प्रयास विफल रहे। उसने कहा कि पोत के अंदर से पानी बाहर निकालने तथा और नौकाओं को बुलाकर पोत को हटना की कोशिशें की जा रही हैं। स्वेज़ नहर प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि जब समुद्री लहरें (हाई टाइड) कम हो जाएंगी तो उसकी योजना शनिवार को दो प्रयास करने की हैं। बहरहाल, मिस्र के अधिकारियों ने स्थल पर मीडिया को प्रतिबंधित कर दिया है। शोइ किसेन कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वे पोत पर से कंटेनर हटाने पर विचार कर रहे हैं ताकि जहाज़ हल्का हो सके लेकिन यह मुश्किल अभियान होगा। वहीं व्हाइट हाउस ने नहर खोलने के लिए मिस्र को मदद की पेशकश की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, 'हमारे पास ऐसे उपकरण और क्षमताएं हैं जो अधिकतर देशों के पास नहीं हैं और हम देख रहे हैं कि हम क्या मदद कर सकते हैं और क्या मदद की जा सकती है।' इस नहर से करीब 10 प्रतिशत व्यापार होता है। यह जलमार्ग तेल ले जाने के लिए अहम है। इसके जरिए मध्य एशिया से तेल और गैस की आपूर्ति यूरोप में की जाती है जो इसके बंद होने से प्रभावित हो सकती है।

ब्रिटेन के स्कूल में पढ़ाया जाएगा मुन्नी बदनाम हुई, शास्त्रीय संगीत और बॉलीवुड गाने का पाठ!

लंदन। स्कूलों के लिए शुक्रवार को शुरू किये गये इंग्लैंड के नये संगीत पाठ्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत, बॉलीवुड हिट और भांगड़ा बीट शामिल हैं। शिक्षा विभाग (डीएफई) ने कहा कि इंग्लैंड में सभी स्कूलों के लिए योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को संस्कृतियों के माध्यम से संगीत के बारे में सुनने और सीखने का अवसर देना है। किशोरी अमोनकर की 'सहेली रे', अनुष्का शंकर की 'इंडियन समर', ए आर रहमान की 'जय हो 'और बॉलीवुड बॉक्स-ऑफिस हिट 'मुन्नी बदनाम हुई' स्कूलों के लिए डीएफई पाठ्यक्रम दिशा-निर्देश में शामिल भारतीय संगीत संदर्भों में से एक हैं। दिशा-निर्देश में कहा गया है कि यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि आधुनिक ब्रिटिश पहचान समृद्ध और विविधतापूर्ण है। इसमें कहा गया है, ''किशोरी अमोनकर 20वीं सदी में भारतीय शास्त्रीय संगीत की अग्रणी गायिकाओं में से एक थीं।' इसमें 2010 में आई फिल्म 'दबंग' के गीत 'मुन्नी बदनाम हुई' का भी संदर्भ दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- भारत-बांग्लादेश स्थिरता, प्रेम और शांति चाहते हैं

ढाका। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि अस्थिरता, आतंक और अशांति की जगह भारत और बांग्लादेश स्थिरता, प्रेम और शांति चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों ही देश अपने विकास व प्रगति से पूरे विश्व की प्रगति देखना चाहते हैं। मतुआ सम्प्रदाय के आध्यात्मिक गुरु हरिचंद ठाकुर की जन्मस्थली ओराकांडी के एक मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद प्रधानमंत्री इस समुदाय के लोगों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''भारत और बांग्लादेश दोनों ही देश अपने विकास से, अपनी प्रगति से पूरे विश्व की प्रगति देखना चाहते हैं। दोनों ही देश दुनिया में अस्थिरता, आतंक और अशांति की जगह स्थिरता, प्रेम और शांति चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से ओराकांडी आने का इंतजार कर रहे थे। मोदी ने कहा कि जब 2015 में वह बांग्लादेश आए थे जब उन्होंने ओराकांडी जाने की अभिलाषा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, ''मैं आज वैसा ही महसूस कर रहा हूं, जो भारत में रहने वाले मतुआ संप्रदाय के मेरे हजारों-लाखों भाई-बहन ओराकांडी आकर महसूस करते हैं।'' ज्ञात हो कि ओराकांडी हिन्दू मतुआ सम्प्रदाय का पवित्र स्थल है और पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में इस सम्प्रदाय के लोग रहते हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत सरकार ओराकांडी में एक प्राथमिक विद्यालय और लड़कियों के एक माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन करेगी। मोदी ने कहा कि भारत आज ''सबका साथ, सबका विकास, और सबका विश्वास'' के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहा है और बांग्लादेश इसमें ''सहयात्री'' है। उन्होंने कहा, ''वहीं बांग्लादेश आज दुनिया के सामने विकास और परिवर्तन का एक मजबूत उदाहरण पेश कर रहा है और इन प्रयासों में भारत आपका 'सहयात्री' है।'' उन्होंने कहा कि आज भारत और बांग्लादेश कोरोना का मजबूती से मुकाबला कर रहे हैं और भारत में निर्मित कोरोना रोधी टीका बांग्लादेश के नागरिकों तक भी पहुंचे, भारत इसे अपना कर्तव्य समझ के कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों के लिए ओराकांडी की यात्रा और आसान बने, इसके लिए भारत सरकार की तरफ से प्रयास और बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''यहां मतुआ संप्रदाय के गौरवशाली इतिहास को प्रतिबिंबित करते हुए भव्य आयोजनों और विभिन्न कार्यों के लिए भी हम संकल्पबद्ध हैं।'' राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि प्रधानमंत्री का ओराकांडी का दौरा और मतुआ सम्प्रदाय के लोगों से संवाद करने का बहुत राजनीति महत्व है। यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव चल रहे हैं। प्रधानमंत्री के साथ इस अवसर पर भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर भी मौजूद थे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने अपनी दो दिवसीय बांग्लादेश यात्रा के दूसरे दिन की शुरुआत सत्खिरा स्थित प्राचीन जशोरेश्वरी काली मंदिर में देवी काली की पूजा अर्चना से की और इस दौरान समस्त मानव जाति के कल्याण की कामना की। कई शताब्दियों पुराना यह मंदिर51 शक्तिपीठों में से एक है। कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद प्रधानमंत्री की यह पहली विदेश यात्रा है। यह यात्रा शेख मुजीबुर रहमान की जन्?मशताब?दी, भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंध स्?थापित होने के पचास वर्ष पूरे होने और बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के पचास

वर्ष पूरे होने से संबंधित हैं। प्रधानमंत्री ने इससे पहले वर्ष 2015 में बांग्लादेश की यात्रा की थी। उस समय उन्होंने ढाकेश्वरी देवी में पूजा अर्चना की थी।

अपने लोगों को टीका लगाने की तुलना में विश्व को कहीं अधिक संख्या में टीकों की आपूर्ति की है: भारत

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने अपने लोगों को कोविड-19 का टीकाकरण करने की तुलना में वैश्विक स्तर पर कहीं अधिक टीकों की आपूर्ति की है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह कहा। साथ ही, भारत ने आगाह किया कि टीके की उपलब्धता में असमनता कोरोना वायरस महामारी से निपटने के सामूहिक वैश्विक संकल्प को पूरा करने की कोशिशों को नाकाम कर देगी क्योंकि टीके तक पहुंच में विसंगति गरीब देशों को सर्वाधिक प्रभावित करेगी। 'कोविड-19 टीकों तक न्यायसंगत वैश्विक पहुंच पर राजनीतिक घोषणापत्र' की पहल करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। इस पहल को संयुक्त राष्ट्र के 180 से अधिक देशों का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत के. नागराज नायडू ने शुक्रवार को महासभा की अनौपचारिक बैठक में कहा कोविड-19 महामारी अब भी जारी है, लेकिन वर्ष 2021 इस सकारात्मक संकल्प के साथ शुरू हुआ कि वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय महामारी को रोकने के लिए कई टीके उपलब्ध कराएगा।

नायडू ने कहा, ''टीका ईजाद करने की चुनौती से निपट लिया गया है, हम अब कोविड-19 के टीकके की उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता और वितरण को सुनिश्चित कर रहे हैं। वैश्विक सहयोग में अभाव और टीकों तक पहुंच में विसंगति सबसे गरीब देशों को सर्वाधिक प्रभावित करेगा। '' उन्होंने महासभा से कहा कि भारत महामारी के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहा है। नायडू ने कहा कि भारत अगले छह महीनों में न सिर्फ अपने 30 करोड़ अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण करेगा, बल्कि 70 से अधिक देशों को टीके की आपूर्ति करने की प्रक्रिया में भी जुटा हुआ है। उन्होंने कहा, '' अब तक हमने अपने लोगों को

टीका लगाने की तुलना में वैश्विक स्तर पर इसकी कहीं अधिक आपूर्ति की है।'' नायडू ने कहा कि स्वदेश विकसित कोवैक्सीन सहित भारत के दो टीकों आपात उपयोग की मंजूरी मिली हुई है और 30 अन्य टीके क्लीनिकल परीक्षण के विभिन्न चरणों में हैं। कोवाक्स पहल को कोविड-19 के टीकों की आपूर्ति करने वाला भारत एक प्रमुख देश है। इसने पिछले महीने इसे टीके की 20 लाख खुराक उपलब्ध कराई।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के लिए टीके की दो लाख खुराक भी सहायता के तौर पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है। नायडू ने कहा कि शांति सैनिकों के लिए टीकों की खेप शनिवार तड़के मुंबई से भेजी गई है और यह जल्द ही डेनमार्क पहुंच जाएगी। महासभा के 75 वें सत्र के अध्यक्ष वोल्कान बोजकीर ने बैठक में कहा कि विश्व इस महामारी से एक साथ उबर जाएगा, लेकिन यह टीकों तक निष्पक्ष एवं न्यायसंगत पहुंच पर निर्भर करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टीकाकरण में सर्वाधिक जोखिम का सामना कर रहे समूहों और हाशिये पर मौजूद लोगों को अवश्य ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कोविड-19 के 2 लाख खुराक भेंट करने पर संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों ने किया भारत का शुक्रिया

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षक अभियानों के प्रमुख सहित उसके शीर्ष अधिकारियों ने शांति सैनिकों के लिए कोविड-19 टीकों की 2,00,000 खुराकें उपहार में देने के लिए भारत का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह दान शांति सैनिकों को अपने जीवन-रक्षक कार्य को सुरक्षित तरीके से जारी रखने में सक्षम करेगा। संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के लिए भारत द्वारा उपहार के रूप में दी गई कोविड-19 टीकों की 2,00,000 खुराकें शनिवार सुबह मुंबई से भेजी गईं, जो डेनमार्क के कोपेनहेगन पहुंचेंगी। फिर उन्हें संयुक्त राष्ट्र के सभी शांति रक्षा अभियानों के लिए वितरित किया जाएगा। शांति रक्षा अभियानों के लिए अवर महासचिव जीन-पियरे लैक्रोइक्स और संचालन सहायता के लिए अवर महासचिव अतुल खरे ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के लिए टीके की खुराक देने के लिए भारत की सराहना की। लैक्रोइक्स ने कहा, सभी शांति सैनिकों को कोविड-19 टीका लगाना संयुक्त राष्ट्र की एक बड़ी प्राथमिकता है ताकि उसके कर्मी अपने महत्वपूर्ण कार्य को जारी रख सकें, कमजोर समुदायों की रक्षा करना जारी रख सकें। उन्होंने कहा, 'भारत शांति व्यवस्था का एक पुराना और दृढ़ समर्थक रहा है और मैं भारत की सरकार और लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने हमारे शांति सैनिकों की सुरक्षा के लिए कोविड-19 टीके का उदारतापूर्वक दान किया है और उन्हें सुरक्षित तरीके से अपने

जीवन रक्षक कार्य को जारी रखने में सक्षम किया है।' खरे ने संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा अभियानों के लिए 2,00,000 टीकों के दान के लिए भारत को धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फरवरी में घोषणा की थी कि भारत संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के लिए कोविड-19 टीके की 2,00,000 खुराकें देगा।

वैश्विक जलवायु चर्चा के लिए जो बाइडन ने दुनिया के 40 नेताओं को किया आमंत्रित, पीएम मोदी भी हैं शामिल

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विश्व के 40 नेताओं को जलवायु परिवर्तन से निपटने पर वार्ता के मकसद से आयोजित होने वाले 'नेताओं के शिखर सम्मेलन' के लिए आमंत्रित किया है। इस शिखर सम्मेलन का मकसद जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के आर्थिक लाभ एवं महत्व को रेखांकित करना है। यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 22 और 23 अप्रैल को होगा और इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा, ''यह ग्लासगो में इस साल नवंबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के मार्ग में एक मील का पत्थर होगा।'' मोदी के अलावा चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा, ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन समेत 40 नेताओं को शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है।

इन नेताओं के अलावा दक्षिण एशिया से बंग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भूटान के प्रधानमंत्री लोते शेरिंग को भी सम्मेलन मे शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन और सीओपी26 का मुख्य लक्ष्य वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के प्रयासों को गति देना है। उसने कहा कि इस सम्मेलन में उन उदाहरणों को भी रेखांकित किया जाएगा कि किस प्रकार जलवायु महत्वाकांक्षा से अच्छे वेतन वाली नौकरियां पैदा होती हैं, नवोन्मेषी तकनीक विकसित करने में मदद मिलती है और कमजोर देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के अनुसार ढलने में सहायता मिलती है। व्हाइट हाउस ने कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन से पहले अमेरिका पेरिस समझौते के तहत अपने नए राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान के रूप में महत्वाकांक्षी 2030 उत्सर्जन लक्ष्य की घोषणा करेगा।

कोलंबिया के शहर कोरिंटो में कार बम विस्फोट, 19 लोगों के घायल होने की खबर

बोगोटा (कोलंबिया)। पश्चिमी कोलंबिया के एक शहर में कार बम विस्फोट में 19 लोग घायल हो गए। कोलंबिया के ग्रामीण क्षेत्रों में हिंसा बढ़ने के बीच यह धमाका हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि 30,000 लोगों की आबादी वाले शहर कोरिंटो में धमाका हुआ। इस शहर में कोलंबियाई सेना और विद्रोही समूहों के बीच लंबे समय से लड़ाई चल रही है। ये विद्रोही समूह कोकीन की तस्करी करते हैं और पास के एंडीज पर्वत पर छिप जाते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कोरिंटो में शुक्रवार को नगर निकाय की इमारत के पास एक कार में विस्फोट हुआ। डिप्टी मेयर लियोनार्दो रिवेरा ने बताया कि उस समय शहर के मेयर इमारत में नहीं थे लेकिन नगर निकाय के तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आखिर क्या है Kill the Bill विरोध प्रदर्शन जिसके लिए ब्रिटेन में हो रहा आंदोलन?

लंदन। इंग्लैंड के दक्षिण पश्चिम शहर ब्रिस्टल में लॉकडाउन विरोधी सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारियों पर अंडे और कांच की बोतलें फेंकी। पुलिस ने इस दौरान 10 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच शुक्रवार शाम गतिरोध पैदा होने के बाद, अधिकारियों ने लाउडस्पीकर के जरिए कई चेतावनियां दी, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास किया गया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और गृह मंत्री प्रीति पटेल ने पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाये जाने की घटनाओं की निंदा की। जॉनसन ने ट्विटर पर कहा, ''कल रात ब्रिस्टल में पुलिस अधिकारियों पर शर्मनाक हमले हुए।'' उन्होंने कहा, ''हमारे अधिकारियों पर हिंसा के इरादे से भीड़ द्वारा ईंट, बोतलों और पटाखों से हमला नहीं किया जाना चाहिए। पुलिस और शहर को मेरा पूरा समर्थन है।'' पटेल ने ट्विटर पर स्थानीय पुलिस को अपना समर्थन दिया और कहा कि वह इस तरह की घटनाओं से निराश हैं। स्थानीय एवन और समरसेट पुलिस ने कहा कि शहर में ब्रिजवेल पुलिस थाने के निकट पुलिस कार्रवाई में स्वान दस्ते और एक पुलिस हेलीकॉप्टर समेत विशेषज्ञ संसाधनों का इस्तेमाल किया गया। शुक्रवार के विरोध के संदर्भ में (पुलिस) अधीक्षक मार्क रूनाकेरे ने कहा, ''ज्यादातर लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से काम किया, लेकिन कुछ लोगों ने हिंसक रवैया अपनाते हुए अधिकारियों पर कांच की बोतलें और ईंट फेंकी।'' उन्होंने कहा, ''यह हिंसक आचरण स्वीकार्य नहीं है। अधिकारियों ने बार-बार लोगों को जाने के लिए कहा, लेकिन एक बार जब माहौल बदल गया तो लोग हिंसक हो गये और कार्रवाई करनी जरूरी हो गई।'' रूनाकेरे ने बताया कि हिंसा करने, एक आपातकालीन कर्मचारी पर हमला करने और प्रतिबंधित ए श्रेणी के मादक पदार्थों को बरामद किये जाने समेत कई अपराधों में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में से तीन को पिछले रविवार को शहर में उपद्रव के संबंध में हिरासत में लिया गया था। शुक्रवार शाम ब्रिस्टल के कॉलेज ग्रीन में विरोध प्रदर्शन के लिए एक हजार से अधिक लोग एकत्र हुए थे। तथाकथित 'किल द बिल ' प्रदर्शनकारी सरकार के पुलिस, अपराध, सजा एवं अदालत विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, जो पुलिस को प्रदर्शन से निपटने के लिए और शक्तियां दे देगा।

अमेरिका से मुकाबले को ईरान ने चीन से मिलाया हाथ, सामरिक संधि पर किए हस्ताक्षर, जानें इसके मायनें

दुबई। (एजेंसी)।

अमेरिका से तनाव के चलते ईरान ने अब चीन के साथ नजदीकियां बढ़ा ली हैं। तेहरान ने बीजिंग के साथ 25 साल का परस्पर सामरिक समझौता किया है। साथ ही अब व्यापारिक क्षेत्रों में भी चीन का निवेश बढ़ेगा। ईरान को उम्मीद है कि संधि के बाद अब परमाणु समझौते पर चीन उसके साथ खड़ा होगा। इस संधि पर शनिवार को चीन और ईरान के विदेश मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि अब दोनों देशों के संबंध स्थाई और सामरिक रूप से और महत्वपूर्ण हो जाएंगे। ईरान ने कहा है कि वह अन्य देशों से संबंध बनाने का निर्णय स्वतंत्र रूप से करेगा। वो उन देशों में नहीं है, जिनके संबंध एक फोन कॉल के बाद बदल जाते हैं। वांग ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी से भी मिले। ईरानी विदेश मंत्री के प्रवक्ता सईद खातिबजाद ने कहा कि संधि से दोनों देशों के बीच व्यापार, आर्थिक गतिविधियां, परिवहन के क्षेत्र में काम आगे बढ़ेगा। विशेषतौर पर प्राइवेट सेक्टर को गति मिलेगी। वैसे 2016 से ही चीन ईरान का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि चीन ईरान के 2015 के परमाणु समझौते के हितों को भी सुरक्षित करेगा। ज्ञात हो कि यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के साथ परमाणु समझौते को लेकर ईरान के संबंध बहुत ही तनावपूर्ण स्थिति में हैं। हाल ही में ईरान के अर्धसैनिक बल रीवोल्यूशनरी गार्ड ने जमीन के अंदर मिसाइल संयंत्र की शुरुआत की थी। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस जगह का इस्तेमाल मिसाइलों को रखने के लिए

किया जाएगा। मालूम हो कि साल 2011 के बाद से ईरान ने पूरे देश के साथ-साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित दक्षिणी तट में भी जमीन के अंदर सामरिक महत्व के संयंत्रों की शुरुआत की थी। ईरान यह दावा करता रहा है कि उसके पास ऐसी मिसाइलें जो दो हजार किलोमीटर तक मार कर सकती हैं।

भारतीय राजदूत संधू और अमेरिका के नौसेना प्रमुख ने की मुलाकात, रक्षा साझेदारी पर की बात

वाशिंगटन। अमेरिका के नौसेना प्रमुख माइकल मार्टिन गिलडे ने अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात की तथा भारत एवं अमेरिका के बीच रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। एडमिरल गिलडे ने शुक्रवार को बैठक के बाद ट्वीट किया, ''हम हिंद-प्रशांत एवं इससे भी आगे मुक्त, खुली एवं समावेशी नियम आधारित व्यवस्था को मिलकर प्रोत्साहित करेंगे।''

गिलडे ने ट्वीट किया, ''अमेरिका में भारत के राजदूत से मिलकर बहुत खुशी हुई।'' उन्होंने संधू के साथ बैठक की अपनी तस्वीर भी साझा की। संधू ने एडमिरल का उनकी मेजबानी के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''मैं भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिए काम करने का इच्छुक हूं।

संपादकीय

होली का आध्यात्मिक पहलू: संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

अंत तक भी सच रहेगें। होली का दिन प्रतीक है कि आखिर सच की विजय और झूठ की हमेषा हार होती है। पूर्ण संतों के अनुसार होली जलाने का आध्यात्मिक महत्त्व यह है कि हम अपने अंदर की बुराईयों को जलाकर सदाचारी जीवन व्यतीत करें तथा जिस प्रकार हम बाहर एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को मनाते हैं, उसी प्रकार हम पूर्ण गुरु की सहायता से ध्यान-अभ्यास द्वारा अपने अंतर में प्रभु के विभिन्न रंगों को देखकर सच्ची होली अपने अंतर में खेंले। इस त्यौहार का एक अन्य पहलू एक दूसरे पर रंग लगाना भी है। इस त्यौहार

फागुन मास में हर तरफ फूल खिल आते हैं तथा बड़ी रंग-बिरंगी बहार होती है। होली का त्यौहार इसी फागुन मास में बड़े हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया जाता है जिसमें लोग एक-दूसरे से गले लगकर होली की शुभकामनाएं देते हैं। जिस प्रकार होली के त्यौहार का बाहरी पहलू जिसम कि एक दिन होलिका जलाई जाती है तथा अगले दिन एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को पारंपरिक रूप से मनाया जाता है लेकिन इसका एक रूहानी महत्त्व भी है। दुनिया में हमेषा एक दौर चलता रहता है। सच और झूठ की हमेषा लड़ाइ होती है। सच को दबाने के लिए झूठ बड़ी कोषिष करता है कि वह किसी न किसी तरह से छुप जाए, मगर सच एक ऐसी चीज़ है जो कभी भी छुप नही सकता क्योंकि पिता-परमेष्वर सृष्टि के शुरूआत में सच थे, आज भी सच हैं और सृष्टि के पर लोग सफेद कपड पहनते है और इसमे भी एक आध्यात्मिक पहलू है। सफेद रग में अन्य सभी रंग षामिल है। इसी तरह, परमेष्वर हम सबके भीतर है। जिस प्रकार सफेद रंग सभी रंगों का स्रोत है उसी प्रकार परमेष्वर सारी सृष्टि का स्रोत है। जिस प्रकार होली में विभिन्न रंग हमारे कपड़ों पर बहुरंगी आकृति बनाते हैं और हम आकृतियों को बदलने की कोषिष नही करते, उसी प्रकार हमे अपने जीवन में एक-दूसरे को प्रेमपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। अगर हम एक देष या समुदाय के सदस्य है तो हमें दूसरो को उसी तरह स्वीकार करना चाहिए जिस तरह पिता-परमेष्वर सबको स्वीकार करते है। आओ होली के इस त्यौहार पर हम सब अपने अंदर बुराइयों को जलाकर व एक-दूसरे पर प्रेम व भाइ चारे का रंग डालते हुए मनुष्य जीवन मुख्य उद्देष्य को प्राप्त करें।

आज के ट्वीट

संघर्ष

बांग्लादेश की आजादी के संघर्ष में शामिल होना, मेरे जीवन के पहले आंदोलनों में से एक था। मैंने और मेरे साथियों ने बांग्लादेश के लोगों की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था। बांग्लादेश की आजादी के लिए जितनी तड़प इधर थी उतनी ही तड़प उधर भी थी। - पीएम

भ्रष्टाचार के दलदल में फंसी राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

मुंशी प्रेमचंद की एक प्रसिद्ध कहानी है-नमक का दारोगा। वर्षों पहले पढ़ी थी, पर आज भी उसके कुछ अंश ऐसे याद हैं, जैसे कल ही पढ़ी हो। कहानी की शुरुआत में एक पिता अपने जवान बेटे को नसीहत दे रहे हैं। अपने अनुभव को जीवन भर की कमाई बताते हुए वे रोजगार की तलाश में जाने वाले बेटे से कहते हैं—पद और ओहदे की चिंता मत करना। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चांद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है, जिससे सदैव प्यास बुझती है। वे बेटे को यह भी समझाते हैं कि मनुष्य और उसकी जरूरत को देखकर ही कुछ करना चाहिए—गरज वाले आदमी के साथ कठोरता करने में लाभ ही लाभ है, लेकिन बेगरज को दांव कर पाना जरा कठिन है। प्रेमचंद का पात्र मुंशी वंशीधर अपने अनुभवी पिता की नसीहत का पूरी तरह पालन नहीं कर पाया और फिर क्या हुआ, यह अलग कहानी है। आज मुझे इस कहानी की शुरुआत हमारे समय के संदर्भ में याद आ रही है। वंशीधर ने भले ही पिता के अनुभव से लाभ न उठाने का निर्णय किया हो, पर आज हर तरफ ऐसे वंशीधर मिल जाएंगे जो अपने अनुभवी पिता की सीख पर ही चलना बेहतर समझते हैं। प्रेमचंद ने अपनी कहानी में पीर की मजार के जिस चढ़ावे पर नजर रखने की बात कही थी, वह चढ़ावा आज न जाने किस-किस का जीवन सुधार रहा है। जीवन सुधारने का यह नुस्खा आज लोगों को आसानी से समझ आने लगा है। मान लिया गया है कि पूर्णमासी के चांद से काम नहीं चलता, दूज का चांद चाहिए जो बढ़ता रहता है। बहते हुए स्रोतों से लाभ उठाने वाले आज अपवाद नहीं, नियम बन गए लगते हैं। जहां जिसको मौका मिलता है, वह लाभ उठाना शुरू कर देता है। नमक के दारोगा को भले ही ईमान मिल गया हो पर आज ऐसे दारोगाओं की कमी नहीं है जो बहते पानी से प्यास बुझाने के अवसर को अपना अधिकार समझते हैं, इसे आप चाहें तो रिश्वत कह लें या हफ्तावसूली पर यह आज एक ऐसी सच्चाई बन गई है, जिसे सब देख सकते हैं, देख रहे हैं, पर मानते यह हैं कि उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा। आज महाराष्ट्र में जो तमाशा चल रहा है, वह इसी प्रवृत्ति का परिणाम है। आरोप यह है कि सत्ता में बैठा व्यक्ति पुलिस के एक अधिकारी के माध्यम से उनसे वसूली करता है, जो गलत तरीके से कमाई के धंधे में लगे हुए हैं। और यह कमाई हजारों-लाखों की नहीं, करोड़ों की होती है, इसलिए वसूली भी करोड़ों में होती है। यह सही है कि महाराष्ट्र में वसूली का यह आरोप अभी प्रमाणित नहीं हुआ है, यह भी हो सकता है कि इस आरोप के पीछे राजनीतिक उद्देश्य हो, पर यह भी एक खुला रहस्य है कि हमारे समाज में राजनीति और अपराध के रिश्ते कोरी कल्पना नहीं हैं। फिर ऐसा भी नहीं है कि इस आशय के आरोप आज ही लग रहे हों, पहले भी सत्ताधारियों पर इस तरह के आरोप लगते रहे हैं कि वे अपराधी तत्वों के साथ मिलकर या पुलिस के माध्यम से उगाही का धंधा करते रहे हैं। चुनावों में जीत के लिए आज जिस तरह करोड़ों-अरबों रुपये खर्च होते दिख रहे हैं, उसे देखते हुए यह आरोप न काल्पनिक लगता है और न ही बेबुनियाद कि 'मजार के चढ़ावे' पर उन सबकी नजर रहती है जो सत्ता के इस खेल से जुड़े हैं। महाराष्ट्र के इस कांड में अपराधी कौन है और कौन नहीं, इसकी पुख्ता जांच होनी चाहिए। पहले भी इस तरह के आरोप लगे हैं, जांच भी हुई है, पर नतीजा, कुल मिलाकर ढाक के तीन पात वाला ही रहा है। देश के प्रसिद्ध पुलिस अधिकारी रह चुके रिबेरो से जब एक पत्रकार ने यह पूछा कि क्या उन्हें भी कभी ऐसे मामले का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने इस बात पर आश्चर्य ही व्यक्त किया था कि सरकार में बैठे मंत्री पुलिस के माध्यम से इस तरह की वसूली करते हैं। रिबेरो का आश्चर्य अपनी जगह सही हो सकता है, पर जनता को शायद ही ऐसा कोई आश्चर्य हो रहा हो। हफ्तावसूली की चर्चा समाज में आम है। यह पब्लिक है, यह अच्छी तरह जानती है कि वसूली की हिस्सेदारी बहुत ऊपर तक जाती है। इस आशय की खबरें भी अक्सर मीडिया में दिखाई देती हैं कि थाने की नियुक्ति के लिए या फिर मलाईदार विभागों में जगह पाने के लिए बोलियां लगती हैं। मंत्रिमंडलों में जब विभागों का बंटवारा होता है तो मलाईदार विभागों की चर्चा होना एक आम बात है। इसलिए, आम आदमी को यह सब देखकर कतई आश्चर्य नहीं हो रहा। आश्चर्य तो उसे तब होता है जब कोई 'बंशीधर' अपने 'पिता' की सलाह ठुकरा कर घर आई लक्ष्मी का अपमान करता है! बहरहाल, महाराष्ट्र का यह कांड बहुत गंभीर है। इसके हर पहलू की जांच होनी चाहिए। हर अपराधी को सजा मिलनी चाहिए। दूसरे, आरोप सिर्फ आज के मंत्रियों या अधिकारियों तक ही सीमित नहीं हैं, बात निकली है तो बहुत दूर तक जानी चाहिए। सरकारी एजेंसियां जांच करें या न करें, जनता को इस बारे में जरूर सोचना चाहिए कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप अक्सर समय के साथ भुला क्यों दिए जाते हैं, क्यों अक्सर कोई जांच निर्णायक स्थिति तक नहीं पहुंचती? सवाल सिर्फ किसी एक पुलिस अधिकारी का नहीं है। किसी एक मंत्री या किसी एक दल के नेता का भी नहीं है। सवाल हमारी पूरी राजनीति में आ रही सड़ांध का है, भ्रष्टाचार को समाज में मिलती स्वीकार्यता का है। सवाल उस पूरी व्यवस्था का है जो बीमार होती जा रही है। यह कहना तो गलत होगा कि हमारा सारा पुलिस महकमा भ्रष्ट है या फिर हमारे सारे राजनेता बेईमान हैं, पर यह भी गलत नहीं है कि एक कांस्टेबल से लेकर उच्च अधिकारी तक अथवा मामूली कार्यकर्ता से लेकर ऊंचे ओहदे तक पहुंचे राजनेता पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। इन सवालों के जवाब तलाशने जरूरी हैं। मामला सारी व्यवस्था की सफाई का है।

बड़े अधिकारियों और बड़े नेताओं को आगे बढ़कर अपनी ईमानदारी प्रमाणित करनी चाहिए। 100 करोड़ रुपये महीने के आरोप में कितनी सच्चाई है, पता नहीं, पर यह तो हकीकत है कि इस तरह के आरोपों से जनता को हैरानी नहीं होती। यह हैरानी न होना ही अपने आप में एक विस्फोटक स्थिति का आभास कराता है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमारे समूचे नेतृत्व को अपने आप से पूछना होगा कि जनता का विश्वास उसने क्यों और कैसे खो दिया है?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

अहोभाव

जग्गी वासुदेव/ तुम उदास होते हो तो तुम्हें लगता है कि कुछ बुरा हुआ है। तब तुम उससे बचने की कोशिश करते हो। तुम इस कोशिश पर गौर नहीं करते। तब तुम किसी दूसरे के पास जाते हो- किसी पार्टी में, किसी क्लब में, या फिर टीवी या रेडियो चला देते हो, या अखबार पढ़ने लगते हो--कुछ भी, जिससे तुम इसे भुला सको। तुम्हें यह गलत दृष्टि दी गई है-कि उदासी गलत है। इसमें कुछ बुरा नहीं है। यह जीवन का दूसरा छोर है। प्रसन्नता एक छोर है, उदासी दूसरा। आनंद एक छोर है, दुख दूसरा। जीवन दोनों से मिलकर बना है, और जीवन एक क्रियाकलाप है इन दोनों के कारण। आनंदपूर्ण जीवन का केवल विस्तार होगा, उसमें गहराई नहीं होगी। केवल उदासी के जीवन में गहराई होगी, विस्तार नहीं। उदास और आनंदपूर्ण जीवन बहुआयामी होता है; यह सभी दिशाओं में एक साथ चलता है। बुद्ध की प्रतिमा को ध्यान से देखो या कभी मेरी आंखों में देखो, तुम दोनों को एक साथ पाओगे-आनंद, शांति, और उदासी भी। तुम ऐसा आनंद पाओगे जिसमें उदासी भी है, क्योंकि वह उदासी तुम्हें गहराई देती है। बुद्ध की प्रतिमा को देखो-आनंदपूर्ण, लेकिन फिर भी उदास। मात्र 'उदास' शब्द ही तुम्हें गलत अर्थ देता है-कि कुछ गलत है। यह तुम्हारी धारणा है। मेरे लिए जीवन अपनी समग्रता में ही शुभ है। और जब तुम जीवन को अपनी समग्रता में समझ लेते हो, तभी तुम उसका उत्सव मना सकते हो; नहीं तो यह असंभव है। उत्सव का अर्थ होता है-जो भी होता है वह गौण है-मैं तो उत्सव मनाऊंगा। उत्सव किन्हीं विशेष बातों पर निर्भर नहीं है-'कि मैं खुश हूं, इसलिए उत्सव मनाऊंगा' या 'जब मैं अप्रसन्न होऊंगा उत्सव नहीं मनाऊंगा'। यह उदासी लाता है-शुभ है, मैं इसका उत्सव मनाता हूं। यह प्रसन्नता लाता है-शुभ है, मैं इसका जश्न मनाता हूं। उत्सव ही मेरा नजरिया है, फिर जीवन भले ही कुछ भी लाए। परंतु एक समस्या खड़ी हो जाती है क्योंकि मैं जब भी शब्दों का प्रयोग करता हूं, उन शब्दों के अर्थ तुम्हारे चित्त पर हैं। जब मैं कहता हूं, 'उत्सव मनाओ' तो इसका अर्थ खुश होना है, जब कोई उदास है तो उत्सव कैसे मना सकता है? मैं यह नहीं कह रहा कि उत्सव मनाने के लिए खुश होना आवश्यक है। उत्सव का अर्थ है जीवन ने हमें जो भी दिया है उसके प्रति अहोभाव। अस्तित्व हमें जो भी दे, उत्सव उसके प्रति धन्यवाद का भाव है, अहोभाव है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुदरत के संकेत समझ बदलें विकास मॉडल

संजोय हज़ारिका

एशिया में हिमालय पर्वतमाला और तिब्बती पठार के एक छोर से दूसरे सिरे तक जिस तरह तथाकथित विकास का दबाव आज देखने को मिल रहा है वैसा कभी नहीं देखा गया। कुदरत ने अपने तरीके से इनसान को बारम्बार खुला सबक देकर चेताने की कोशिश की है। गढ़वाल हिमालयी इलाके में इस पाठ के कई उदाहरण मिल भी चुके हैं और यह सिलसिला पूर्व की ओर चंद्राकार लीक में नेपाल, भूटान और यहां तक कि तिब्बत में भी देखने को मिल रहा है। पश्चिमी से पूर्वी छोर तक कहानी एक-सी है और इसके पीछे पूरी तरह मानव की लालची प्रवृत्ति है, इस दोहन में अफसरशाही, राजनेता और व्यापारिक घराने शामिल हैं। प्रकृति का जवाब हमें निर्मम रूप में भुगतना पड़ता है-तब अक्सर खमियाजे में इनसानी जानों के अलावा जैविक संपदा, वर्तमान और निर्माणाधीन परियोजनाओं को भारी नुकसान सहना पड़ता है। बीती 7 फरवरी को हिमालय में एक ग्लेशियर के टूटने वाली आपदा में हमने देखा कि किस तरह उत्तराखंड के ऋषिगंगा इलाके के एक संकरे खड्ड से होकर बर्फ, पानी, पत्थर और मिट्टी के सैलाब ने तांडव मचाया था। इस प्रवाह की ताकत इतनी कि रास्ते में पड़ती दो पनबिजली परियोजनाओं को यूं उड़ा डाला, मानो माचिस की डिब्बियां हों। गंगा नदी को आमतौर पर जीवनदायिनी 'गंगा मईया' कहा जाता है। जल संसाधन मंत्रालय ने नारा गढ़ा है 'अविरल से निर्मल गंगा', तथापि गंगा नदी इन परियोजनाओं से मलिन हो रही है। सिक्किम हो या उत्तराखंड, यही देखने को मिलता है कि सड़क और बांध परियोजना के निर्माण कार्य में मलबा सीधा नीचे की ओर गिरा दिया जाता है, जो जलधारा में घुल जाता है। इससे न केवल धारा का मुक्त प्रवाह बाधित होता है बल्कि जल के पोषक तत्वों का ह्रास होता है। पिछले सितंबर में ऋषिकेश से आगे की यात्रा के दौरान देखने को मिला कि डायनामाइट के कर्णभेदी धमाके के बाद धूल का गुब्बार देर तक हवा में तैरता रहता है और मलबे-चट्टानों को क्रेन और बुलडोज़र ढलानों से नीचे ठेल देते हैं, जो सीधे गंगा नदी में जा समाता है। हालांकि, चार धाम परियोजना का अपना एक सामरिक पहलू भी है क्योंकि अच्छी सड़कें होने से सुरक्षा बलों के लिए चीन सीमा तक आवाजाही बेहतर हो सकेगी, पिछले दिनों लद्दाख में हुए संघर्ष उपरांत इसका महत्व ज्यादा हो गया है। तथापि जल्दबाजी से और ज्यादा समस्याएं पैदा हो सकती हैं और चमोली सरीखी हालिया त्रासदी इसे रेखांकित करती है। हिमालय और तिब्बत के पठार को धरती का तीसरा ध्रुव कहा जाता है। सर्वविदित है कि उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के बाद हिमालय में बर्फ के रूप में जमा पेयजल भंडार पृथ्वी पर सबसे ज्यादा है। वहां बड़े पैमाने पर चल रही परियोजनाएं, आधारभूत ढांचे का विकास और मौसम में बदलाव की वजह से इसके सनातन वजूद को खतरा बन गया है। तिब्बती पठार और हिमालय हालांकि अलग क्षेत्र है किंतु गर्भनाल से आपस में जुड़े हैं। विकास बेशक आवश्यक है, किंतु साथ ही मानव को यह समझने की भी जरूरत है कि बदल रहे मौसमी चक्र से सबक लेते हुए यह पहले की तरह बेलगाम न हो। ताजा आपदा वर्ष 2013 में आई भयंकर बाढ़ के 8 वर्ष बाद हो गुजरी है, जिसमें 6000 लोग मारे गए थे, यह प्रकरण बताता है कि अभी भी कोई सबक नहीं सीखा गया। वर्ष 2014 में केंद्र सरकार की एक कमेटी ने केंद्र से उत्तराखंड में चल रही 23 पनबिजली परियोजनाओं को बंद करने की सिफारिश की थी, विशेषकर संवेदनशील ज़ोन में। इसका निष्कर्ष था कि 2013 की बाढ़ आने में पनबिजली योजनाओं की बड़ी भूमिका थी। वर्ष 2020 से पहले केंद्र सरकार को पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभाव का आकलन करवाना चाहिए था। सरोकार रखने वाले विभिन्न समूहों के साथ संवाद बनाना एक सामाजिक दायित्व है। तथापि, लोगों को साथ जोड़ने वाला यह कदम अब नदारद है और परियोजनाओं में स्थानीय समुदायों की भूमिका को नज़रअंदाज किया जाता है। उनका नजरिया महत्व रखता है क्योंकि यही लोग इस क्षेत्र के असली रखवाले हैं। उदाहरण के रूप में 50 साल पहले वनों की अंधाधुंध कटाई रोकने के लिए महिलाओं के नेतृत्व में चलाया गया मशहूर चिपको आंदोलन है। जैसा कि पर्यावरणविद सुनीता नारायण कहती हैं 'नदियां जीवित रहें, यह सर्वप्रथम अनिवार्यता है जबकि हमारी जरूरतें बाद में आती हैं। वरना, नदियां हमें कड़वा सबक देना जारी रखेंगी, यह प्रकृति द्वारा बदला लेने और नाराज़गी दिखाने का तरीका है।' इसलिए नदियों में न्यूनतम पर्यावरण हितैषी बहाव सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है ताकि जलप्रवाह की मात्रा और सततता बनी रहे। यह न्यूनतम जलधारा मछलियों और डॉलफिन जैसे जलीय जीवन के लिए जरूरी है, साथ ही नदी किनारे बने खेत और समुदायों की जरूरतों के लिए भी। अक्तूबर, 2018 में केंद्र सरकार ने न्यूनतम जलधारा कानून लागू किया था, जिसके तहत मुख्य पनबिजलीघरों को सुनिश्चित करना है कि देवप्रयाग और हरिद्वार के बीच गंगा नदी में साल के अलग-अलग समय में कम-से-कम 20-30 फीसदी पानी सदा बना रहे। किंतु आधिकारिक समीक्षा बताती है कि अधिकांश प्रोजेक्ट इस न्यूनतम अनिवार्यता का पालन करने में खरे नहीं उतरते। पनबिजली परियोजना की जरूरत है कि नदियां साफ रहें ताकि गाद और पत्थर बिजली बनाने वाली टरबाइनों को नुकसान न पहुंचा सके। परंतु इस फेर में उन्हें पोषक तत्व रहित बना दिया गया है क्योंकि मछलियों और खेतों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जरूरी यही वे अवयव हैं जो बहकर आई मिट्टी और जैव पदार्थों में समाए होते हैं। चीन की सरकार ने असम और बांग्लादेश के लिए जीवनदायिनी त्सांगपो-ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर पनबिजली परियोजना के लिए महाकाय बांध बनाने की घोषणा की है। इसका विरोध किया जाना चाहिए। हिमालयी क्षेत्र में चल रही इन तमाम गतिविधियों की सबसे बड़ी शिकार नदियां हुई हैं और नदियां हैं कि बदले का सबक सिखाने के अलावा उनके पास अपना दर्द और गुस्सा बयां करने का कोई जरिया नहीं है।

शेखावाटी की अनोखी होली

डॉ कविता सारस्वत

जब वसंत अपने यौवन की दहलीज पर पहुंचता है, तब झूमकर आता है मस्ती और उमंग का पर्व होली। मस्ती का आलम ये होता है कि चंग की थाप और बांसुरी की मदहोश करती धुन पर आबाल-वृद्ध हर किसी का मन मयूर पुलकित हो उठता है और बरबस ही सबके पैरों की थिरकन शुरू हो जाती है। वसंत पंचमी के साथ ही इसकी शुरुआत होती है और होलाष्टक के बाद तो राजस्थान के पूरे शेखावाटी अंचल के गांवों और ढाणियों में इसी तरह का माहौल दिखने लगता है। चंग की थाप पर लोगों के पैर थिरकने लगते हैं और बांसुरी की सुरीली धुन लोगों पर मस्ती का सुरूर चढ़ाने लगती है। शेखावाटी की होली अपनी इन विशिष्टताओं की वजह से ही पूरे देश में प्रसिद्ध है। शेखावाटी में होली और चंग नृत्य का रिश्ता काफी मजबूत है। यह यहां की एक प्रसिद्ध नृत्यशैली है। इसमें पुरुष चंग बजाते हुए नृत्य करते हैं। पूरे अंचल के हर मोहल्ले की अपनी चंग टोली होती है। इस नृत्यशैली में पुरुष एक हाथ में चंग को पकड़ते हैं और दूसरे हाथ से इसका वादन करते हुए गोलाकार घेरे में नृत्य करते हैं। इसी गोले में लोग होली के गीत और धमाल का गायन करते हैं। होली के अवसर पर बजाये जाने वाले चंग को विशेष रूप से इस क्षेत्र में ही बनाया जाता है। इसकी बनावट और आवाज काफी हद तक ढपली जैसी ही होती है, हालांकि आकार में ये ढपली से काफी बड़ा होता है। वसंत पंचमी के साथ ही गांवों और ढाणियों में लोग चंग लेकर होली की मस्ती की शुरुआत कर देते हैं।

देश के कई अन्य भागों की तरह ही शेखावाटी के लिए भी होली का काफी महत्व है और इस पर्व के दौरान लोग पूरी मस्ती के साथ देश के अन्य हिस्सों के तरीकों से अलग ही ढंग से होली मनाते हैं। दरअसल होली वसंत ऋतु का सबसे बड़ा त्योहार है। वसंत की सांस्कृतिक शुरुआत आमतौर पर वसंत पंचमी के पावन दिन से मानी जाती है। इसीलिए शेखावाटी अंचल में ऋतु के इस सबसे बड़े त्योहार को मनाने की शुरुआत वसंत पंचमी के दिन से ही हो जाती है।

यहां होली के मौके पर चंग की थाप पर गाये जाने वाले धमाल का भी एक अलग ही आकर्षण होता है। इन धमालों में शेखावाटी अंचल की लोक-संस्कृति का मनोहारी तरीके से वर्णन किया जाता है। धमाल गायन के भी दो आयाम माने जाते हैं। एक आयाम तो प्रेमियों द्वारा अपनी प्रेमिकाओं तक अपना संदेश पहुंचाने का है। सामान्य शब्दों मे इसे प्रेमी का प्रेमिका के प्रति प्रणय निवेदन कहा जा सकता है। वहीं धमाल का दूसरा आयाम श्रद्धालुओं का अपने इष्टदेव के प्रति समर्पण का प्रदर्शन होता है। ईश्वर के प्रति श्रद्धा भावना से ओत-प्रोत इन धमालों के जरिये श्रद्धालु भगवान को याद करते हैं और अपनी तमाम परेशानियों को हर लेने का संदेशा भेजते हैं। कुछ धमालों में ईश्वर से सुख-समृद्धि की भी कामना की जाती है।

वसंत पंचमी के साथ ही शुरू होने वाली होली की मस्ती और चंग नृत्य में धमाल का गायन तो होता ही है, रात के समय हर इलाके या गांव की अलग-अलग चंग टोली के नवयुवक कई तरह के स्वांग करके भी लोगों का मनोरंजन करते हैं। पुरुषों के चंग नृत्य की अपनी अलग मस्ती होती है तो दूसरी ओर गांवों में महिलाएं रात के समय चौक में इकट्ठी होकर बधावे और मंगल गीत गाकर होली का स्वागत करती नजर आती हैं। देर रात तक गांवों में उल्लास, उमंग और मस्ती का माहौल बना रहता है।

होली के मौके पर शेखावाटी अंचल में चंग नृत्य शैली और धमाल गायन की धूम तो होती ही है, गींदड़ नृत्य का भी जमकर आयोजन होता है। गींदड़ नृत्य शैली काफी हद तक गुजरात में खेले जाने वाले गरबा नृत्य से मिलती जुलती है। गुजराती गरबा का आयोजन मुख्यरूप से नवरात्रि के दौरान देवी की आराधना के लिए किया जाता है और इसमें छोटी-छोटी डांडिया का इस्तेमाल होता है। जबकि शेखावाटी के गींदड़ नृत्य में अपेक्षाकृत बड़ी डंडियों का इस्तेमाल होता है और विशेष रूप से होली के त्योहार के दौरान ही इसका आयोजन होता है। नृत्यशैली में नर्तकों की वेशभूषा, इसकी शुरुआत और अंत भी काफी हद तक गरबा जैसा ही है। आकर्षक झालरदार कपड़ों में सजे नर्तक गोलाकार घेरे में हाथ में डंडिया लेकर नाचते हुए घूमते हैं और एक दूसरे के साथ गरबा नृत्य की तरह ही डंडियों को परस्पर टकराते रहते हैं।

धीमी शुरुआत के बाद गोले में घूमते नर्तक अपनी गति बढ़ाते जाते हैं और इसी के साथ डंडियों को टकराने की उनकी गति भी बढ़ती जाती है।

कहीं चंग नृत्य और धमाल की जुगलबंदी तो कहीं गींदड़ का मनमोहक आयोजन, हर ओर उल्लास ही उल्लास। कहा जाये तो वसंत पंचमी से शुरू होने और होलाष्टक के बाद और भी तेज हो जाने वाले ये सारे आयोजन पूरी फिजां में होली की मस्ती घोल देने वाले होते हैं और धुलंडी (रंग खेलने का दिन) तक लगातार चलते हैं। दरअसल देखा जाये तो शेखावाटी अंचल में होली के अवसर पर होने वाले ये लोक नृत्य आयोजन हरेक व्यक्ति चाहे वो पुरुष हो या फिर महिला, सबके मन में नई स्फूर्ति और उत्साह का संचार कर देते हैं। यहां का हरेक आदमी होली के आयोजनों से नयी ऊर्जा प्राप्त कर जीवन की सीढ़ियों को पार करने के लिए उद्धत हो जाता है। इन आयोजनों से नयी पीढ़ी भी अपनी चिर-पुरातन सांस्कृतिक आयोजनों से परिचित होती है और खुद भी उत्साहित होकर इनमें शिरकत करती है। दुर्भाग्य की बात है कि होली के मौके पर होने वाले ये आयोजन अब धीरे धीरे अपनी चमक खोते जा रहे हैं। राजस्थान की लोक परंपरा के नाम पर चंग और गींदड़ नृत्य का प्रदर्शन शेखावाटी की सीमा को पार कर देश और विदेश तक होने लगा है, लेकिन शेखावाटी की जिस मिट्टी से इसकी शुरुआत हुई है, वहीं अब धीरे धीरे ये प्रशासनिक उपेक्षा और धनाभाव की वजह से अपना आकर्षण खोने लगा है। समय की कमी, रोजगार की तलाश में स्थानीय युवकों का शहरों की ओर पलायन, पैसे की तंगी जैसी कई वजहों से शेखावाटी के भी कई हिस्सों में अब ये आयोजन सिर्फ परंपरा का निर्वाह करने के लिए होने लगे हैं। वसंत पंचमी से धुलंडी तक की दीर्घ अवधि में इनका आयोजन कर पाना अब काफी कठिन होने लगा है। इसके बावजूद हाल के दिनों में कई संस्थाओं ने इन लोक-नृत्य परंपराओं को जीवित रखने के लिए कोशिशें शुरू की हैं, ताकि होली के दौरान चंग और धमाल की जुगलबंदी भी जारी रह सके और गींदड़ नृत्य का उत्साह भी बना रहे।

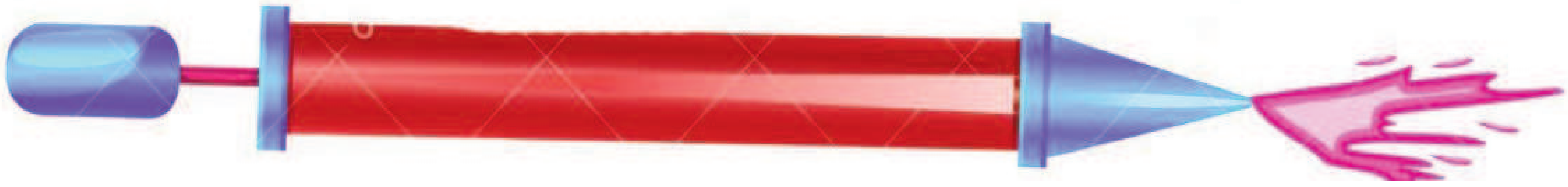

होली की मस्ती के बीच स्वास्थ्य का भी रखें ख्याल

रंगों के खूबसूरत त्योहार होली की तैयारियां जोरों-शोरों से शुरू हो गई हैं। इको-फ्रेंडली (पर्यावरण-अनुकूल) जश्न के इस माहौल में क्या आप सुरक्षित और सेहतमंद होली की तैयारी में जुटे हैं? अगर हां, तो बहुत बढ़िया! होली का मजा तब दुगना हो जाता है जब आपको किसी हानिकारक केमिकल से जुड़ी या स्वास्थ्य संबंधी चिंता नहीं सताती। जी हां, होली के जश्न के साथ कुछ स्वास्थ संबंधी जोखिम भी जुड़े हो सकते हैं। लेकिन सावधानी और बचाव के तरीकों से आप पूरे मन से इस त्योहार का आनंद उठा सकते हैं। हेल्थियंस की वरिष्ठ लाइफस्टाइल मैनेजमेंट कन्सल्टेंट डॉ. स्नेहल सिंह ने होली के जश्न से जुड़े कुछ स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और उनसे बचने के सुरक्षात्मक तरीके बताए हैं।

स्वास्थ्य से जुड़े संभावित जोखिम में सबसे पहले है एलर्जी :

होली के रंग अक्सर केमिकल से बनाए जाते हैं और इनसे कुछ लोगों को ऐलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। एलर्जी से त्वचा, आंखों, नाक और गले में जलन हो सकती है। इनसे संवेदनशील लोगों में सर्दी, खांसी और सांस की तकलीफें भी हो सकती हैं। इनसे दमा और अन्य जटिल समस्याएं गंभीर रूप ले सकती हैं।

त्वचा की समस्याएं:

होली के रंगों में संभावित हानिकारक केमिकल्स से त्वचा की समस्याएं होने से स्वास्थ्य को बहुत बड़ा खतरा होता है। इनसे खुजली, लालिमा, सूखापन, स्केलिंग, जलन का एहसास और फुंसियां हो सकती हैं। होली के रंगों का प्रभाव बालों पर भी पड़ सकता है। कई लोगों को होली के बाद बालों का झड़ना, सिर की त्वचा पर खुजली, गंजापन, बालों का बेजान और रूखा होने जैसी समस्याओं का सामान करना पड़ता है।

आंखों की समस्याएं :

होली के जश्न के बाद लोगों में पाई जाने वाली आम समस्याएं आंखों से जुड़ी होती हैं, जिनमें जलन, खुजली, आंखों में अधिक पानी आना, रोशनी के प्रति अधिक संवेदनशीलता, आंखों में दर्द या लाल होने के लक्षण शामिल होते हैं।

पाचन संबंधी समस्याएं :

होली के उल्लास में रंग लगे हाथों से पकवान खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। रंग म्यूकस मेम्ब्रेन (श्लेष्म झिल्ली) में जलन पैदा कर सकते हैं, जिस कारण आपको मिचली, उल्टी या पेट की तकलीफ हो सकती है, साथ ही इंफेक्शन होने की संभावना भी बनी रहती है।

केमिकल का उपयोग :

- होली के रंगों में इस्तेमाल होने वाले कुछ रसायनों से आपके स्वास्थ्य के आधार पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। इससे पक्षाघात (पैरालिसिस), गुर्दे की खराबी और त्वचा के कैंसर जैसी समस्याएं जुड़ी हैं इसलिए सावधान रहें।
- आजकल हानिकारक प्रभावों से बचने के लिए पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) रंग बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन इन पर भी कोई नियमन नहीं है, इसलिए आपको भ्रामक लेबल से सावधान रहने की जरूरत है। नकली ऑर्गेनिक या झूठा दावा करने वाले उत्पादों से सावधान रहें, सुरक्षित रंगों को पहचानने के कुछ तरीके इस प्रकार हैं।
- रंगों से यदि केमिकल या पेट्रोल की गंध आए तो उन्हें न खरीदें। यदि रंग पानी में घुलता नहीं है तो उनमें केमिकल हो सकता है, बेहतर होगा उन्हें न खरीदें।
- ऑर्गेनिक रंगों में चमकदार कण नहीं होते हैं और वे गहरे रंगों (डार्क शेड) में उपलब्ध नहीं होते हैं। इसलिए सिल्वर, गहरा पर्पल या काला रंग न खरीदें, हो सकता है कि वे प्राकृतिक रंग न हों।
- बेसन में हल्दी मिलाएं और चमकदार पीला रंग पाएं। आप पानी में गेंदे के फूलों के पत्तों को उबालकर पीले रंग का पानी बना सकते हैं। लाल रंग बनाने के लिए गुड़हल के फूलों के सूखे पत्तों के पाउडर को आटे के साथ मिला लें। बीटरूट के टुकड़े काटकर या अनार के दाने पानी में मिलाकर मनमोहक गुलाबी रंग का पानी बना सकते हैं। पानी में केसर भिगोकर या अच्छी क्वालिटी की प्राकृतिक हिना या मेहंदी मिलाकर नारंगी रंग का पानी बना सकते हैं।

सुरक्षित होली के लिए इन सलाह पर अमल करें :

- होली में रंगों से खेलने से पहले मॉइचराइजिंग लोशन, जैतून (ऑलिव) या नारियल का तेल त्वचा पर लगा लें। इससे आपकी त्वचा सुरक्षित भी रहती है और बाद में रंग छुड़ाना भी आसान हो जाता है। आप एक वॉटरप्रूफ सनस्क्रीन लोशन का भी प्रयोग कर सकते हैं। यदि आप कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं तो होली खेलने से पहले उन्हें निकालकर कर रख दें।
- होली के रंगों से आपके बाल और सिर की त्वचा खराब हो सकती है, इसलिए रंगों से खेलने से पहले आप सिर और बालों में तेल लगा सकते हैं या कैप (टोपी) पहनकर उन्हें सुरक्षित रख सकते हैं। केवल जैविक (ऑर्गेनिक) तरीके से बनाए रंगों का ही प्रयोग करें, सबसे अच्छे हैं प्राकृतिक सामग्रियों से बने रंग।
- होली मनाने के बाद अपने आपको साधारण पानी और साबुन से साफ करें। कठोर साबुन, डिटर्जेंट या अन्य केमिकल का उपयोग करने से बचें, इनसे भी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। चेहरे की चमक दोबारा पाने के लिए शहद के साथ नींबू का रस मिलाकर प्रयोग करें या बेसन, हल्दी और दही का एक प्राकृतिक फेस पैक बनाकर लगाएं।
- आंखों में रंग चले गए हों तो उन्हें ठंडे पानी से धो लें। चमकदार, स्वस्थ बालों को दोबारा पाने के लिए सिर पर अंडे की जर्दी या दही मलकर धो सकते हैं।

जालसाजी रोकने के लिए IRDA की पहल, यूनिक ID से रुकेगा बीमा फ्रॉड

नई दिल्ली: इंश्योरेंस कंपनियों के नाम पर ठगी से ग्राहकों को बचाने के लिए कंपनियां तैयारी कर रही हैं। इसके लिए एक यूनिक हेडर वाली पहचान या आईडेंटिटी अलॉट की जाएगी। **IRDA** जालसाजी रोकने के लिए कमर कस रही है। **IRDA** की बीमा के नाम पर फेक मैसेज और कॉल पर लगाम की तैयारी है। अब **Spam** मैसेज या कॉल्स की पहचान करना आसान होगा। इसके लिए बीमा कंपनियों के लिए यूनिक हेडर वाली **ID** अलॉट होगी। इंश्योरेंस कंपनियां इस यूनिक **ID** से ग्राहकों से संपर्क करेंगी ग्राहकों को फ्रॉड से बचाने के लिए **IRDAI** ये पहल कर रही है। इस पहल के कहत कंपनियों को टेलीकॉम ऑपरेटर से यूनिक **ID** लेनी होगी। इसके लिए टेम्पलेट्स रजिस्ट्रेशन 5 अप्रैल तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। रजिस्ट्रेशन नहीं कराने पर मैसेज या कॉल में दिक्कत होगी। बता दें कि ऑनलाइन ठगी करने वाले नए-नए पैंतरे अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। बदमाशों ने ठगी का नया तरीका ढूंढ़ लिया है। अब वे लोगों को बीमा पॉलिसी पर बोनस का झांसा देकर शिकार बना रहे हैं। पॉलिसी पर लाखों का बोनस ऑफर बताकर वे बोनस लेने के लिए उनसे टैक्स के रूप में पैसे ऐंठ रहे हैं।

ट्राई ने कहा: नियम नहीं माने तो एक अप्रैल से OTP नहीं भेज सकेंगे बैंक

बिजनेस डेस्क: दूरसंचार नियामक ट्राई ने थोक वाणिज्यिक मैसेज के मानकों का पालन नहीं करने वाली 40 कंपनियों की सूची जारी की है। इसमें एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई सहित कई बैंक शामिल हैं। ट्राई ने कहा, बार-बार याद दिलाने के बावजूद ये कंपनियां थोक संदेशों का पालन नहीं कर रहीं। अगर 31 मार्च, 2021 तक सभी कंपनियां दूरसंचार नियमों का पूरी तरह पालन नहीं करती हैं, तो 1 अप्रैल से उन्हें अपने ग्राहकों के साथ संपर्क में मुश्किल आ सकती है। ऐसे में बैंक या अन्य कंपनियां ग्राहकों तक ओटीपी सहित अन्य जरूरी संदेश नहीं भेज पाएंगी। बिना मानक का पालन किए किसी भी कंपनी के थोक वाणिज्यिक संदेशों को अग्रसारित नहीं किया जाएगा। इस बाबत पहले ही पर्याप्त समय दिया जा चुका है। ट्राई ने सभी संदेशों की वैद्यता जांचने के लिए कंपनियों को स्क्रबिंग सिस्टम अपनाने का आदेश दिया है।

1 अप्रैल से पैकेटबंद पानी बेचने वाली कंपनियों के लिए बीआईएस प्रमाणन होगा अनिवार्य

नई दिल्ली: भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने पैकेटबंद पानी और मिनरल वॉटर विनिर्माताओं के लिए लाइसेंस हासिल करने या पंजीकरण के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का प्रमाणन अनिवार्य कर दिया है। सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को भेजे पत्र में एफएसएसएआई ने यह निर्देश दिया है। यह निर्देश एक अप्रैल, 2021 से लागू होगा। एफएसएसएआई ने कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2008 के तहत सभी खाद्य कारोबार परिचालकों (एफबीओ) के लिए किसी खाद्य कारोबार को शुरू करने से पहले लाइसेंस/पंजीकरण हासिल करना अनिवार्य होगा। नियामक ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और मानक (प्रतिबंध एवं बिक्री पर अंकुश) नियमन, 2011 के तहत कोई भी व्यक्ति बीआईएस प्रमाणन चिन्ह के बाद ही पैकेटबंद पेयजल या मिनरल वॉटर की बिक्री कर सकता है।

भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 233 अरब येन का ऋण, अनुदान देगा जापान

नई दिल्ली:

जापान द्वारा भारत में कई प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 233 अरब येन (2.11 अरब डॉलर) का ऋण और अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें दिल्ली मेट्रो का चौथा चरण भी शामिल है। जापान ने शुक्रवार को इस ऋण और अनुदान को अंतिम रूप दिया। जापान की ओर से दी जाने वाली वित्तीय सहायता के तहत 4.01 अरब येन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बिजली आपूर्ति सुधार की परियोजना के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। यहां जापानी दूतावास ने यह जानकारी दी। इस ऋण और अनुदान के बारे में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में अतिरिक्त सचिव सी एस महापात्र और जापान के राजदूत सतोशी सुजुकी के बीच नोट्स का आदान-प्रदान किया गया। 4.01 अरब येन का अनुदान अंडमान निकोबार द्वीप समूह में किसी परियोजना में जापान की पहली आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) है। जापानी दूतावास के एक अधिकारी ने कहा, ''भूराजनीतिक स्थिति की वजह से अंडमान और निकोबार द्वीप मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत के हमारे साझा दृष्टिकोण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।'' जापान की ओर से बेंगलुरु मेट्रो रेल परियोजना के चरण दो के लिए 52.03 अरब येन और दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के लिए 119.97 अरब येन का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

एईपीसी की सरकार से सूती धागे के निर्यात पर अंकुश की मांग

नई दिल्ली:

परिधान निर्यात संवर्द्धन परिषद (एईपीसी) ने सरकार से सूती धागे के निर्यात पर अंकुश लगाने की मांग की है। एईपीसी ने कहा है कि निर्यात पर अंकुश से इसकी कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और साथ ही घरेलू विनिर्माताओं को इसकी आपूर्ति भी बढ़ाई जा सकेगी। एईपीसी के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि सरकार की ओर से कई प्रयासों के बावजूद सूती धागे के दाम पिछले चार माह के दौरान लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे पूरी मूल्य श्रृंखला प्रभावित हो रही है। शक्तिवेल ने कहा, ''हम घरेलू विनिर्माताओं को धागे की आपूर्ति बढ़ाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह करते हैं। हमारा सुझाव है कि सूती धागे के निर्यात पर मात्रात्मक अंकुश लगाया जाए।'' उन्होंने बताया कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने छोटे मिल मालिकों के लिए कपास की कीमतों में कटौती की है, लेकिन इससे सूती धागे के दाम घटे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सूती धागे की कीमतों में बढ़ोतरी तथा इसकी उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता की वजह से निर्यातकों के लिए अपने ग्राहकों के ऑर्डर पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 582 अरब डॉलर

मुंबई: देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 मार्च को समाप्त सप्ताह में 23.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 582.271 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.74 अरब डॉलर बढ़कर 582.04 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 12 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में वृद्धि होने की वजह से कुल विदेशी विनिमय भंडार में बढ़त हुई है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, कुल विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा होती है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में एफसीए 15.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 541.18 अरब डॉलर हो गई। एफसीए को दर्शाया डॉलर में जाता है, लेकिन इसमें यूरो, पौंड और येन जैसी अन्य विदेशी मुद्रा सम्पत्तियां भी शामिल होती हैं। आंकड़ों के अनुसार लगातार दूसरे सप्ताह स्वर्ण भंडार बढ़ा है। देश के स्वर्ण भंडार का मूल्य आठ करोड़ डॉलर बढ़ कर 34.63 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में प्राप्त विशेष आहरण अधिकार 20 लाख डॉलर घटकर 1.5 अरब डॉलर रहा। इसी तरह आईएमएफ के पास आरक्षित मुद्रा भंडार भी 10 लाख घटकर 4.96 अरब डॉलर रह गया।

जल्द खरीदें सस्ता सोना, फिर बढ़ेंगी कीमतें !

बिजनेस डेस्क:

अगर आप होली पर सोना खरीदना चाहते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। सोने की कीमत ऑल टाइम हाई से करीब 12 हजार रुपए तक गिर चुकी हैं। पिछले साल अगस्त में सोना 56,310 रुपए के ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंचा था लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आई है। फिलहाल सोना 44 हजार रुपए के दायरे में घूम रहा है। सोना ही नहीं चांदी में भी करीब 10 हजार रुपए तक की गिरावट आई है। गुड रिटर्न बेवसाइट्स के मुताबिक, दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 43,850 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। चेन्नई में यह 42,160 रुपए पर कारोबार कर रहा है। मुंबई में 43,760 रुपए में बेची जा रही है।

48,000 रुपए तक जा सकती है कीमत

जानकारों की मानें तो सोने की कीमत अभी 44,400 रुपए से 45,200 रुपए के बीच है। शुक्रवार को **MCX** पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 45 रुपए की गिरावट के साथ 44650 रुपए पर बंद हुआ लेकिन जल्द ही 46,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। अगले दो महीनों में सोने की कीमत 48,000 रुपए तक जाने की उम्मीद है। इसी तरह दो महीने में चांदी भी 70,000 रुपए से लेकर 72,000 रुपए तक पहुंच सकती है।

क्या है वजह

कमोडिटी विशेषज्ञों के अनुसार, सोना और चांदी दोनों को लेकर सेंटिमेंट्स सकारात्मक हैं। सोने की कीमत **MCX** पर 48,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जाने की उम्मीद है, जबकि चांदी की कीमत 72,000 रुपए पर पहुंचने की संभावना है। **IIFL** सिक्योरिटीज में कमोडिटीज और करेंसी ट्रेड के उपाध्यक्ष अनुज गुप्ता के मुताबिक सोने में गिरावट की वजह वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी है।

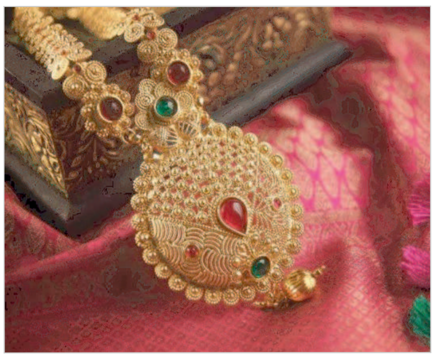

क्यों बढ़ेगी कीमत

कोरोना वायरस के मामलों में एक बार फिर से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। बहुत सारे राज्यों में कोरोना वायरस का दूसरा स्ट्रेन भी पाया गया है। सिर्फ भारत ही नहीं, विदेशों में भी एक बार फिर से कोरोना वायरस के मामले बढ़ रहे हैं। इन सबको देखते हुए भारत ने वैक्सीन के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। अब जब कोरोना महामारी का खतरा एक बार फिर से बढ़ रहा है तो मुमकिन है कि लोग सुरक्षित निवेश की ओर भागें और सोने में निवेश करना शुरू कर दें। अगर फिर से लोग सोने में निवेश करना शुरू करते हैं तो इसके दाम को बढ़ेंगे ही, साथ ही शेयर बाजार में फिर से तगड़ी गिरावट का रुख देखने को मिल सकता है।

बढ़ सकते हैं गोल्ड के दाम

सोने की कीमतें अपने ऑल टाइम हाई से काफी तेजी से गिरी हैं। मौजूदा समय में फिजिकल गोल्ड की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे उसके दामों में भी तेजी के आसार बन रहे हैं। शादी-ब्याह का सीजन भी आने वाला है, जिसके चलते भी लोग सोने के गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं। जैसे-जैसे लोगों का रुझान सोने के लिए बढ़ता जाएगी, इसका सीधा असर सोने के दामों पर पड़ेगा, जो बढ़ेंगे।

अगले वित्त वर्ष का 1.75 लाख करोड़ रुपए का विनिवेश लक्ष्य हासिल होने योग्य: सुब्रमण्यम

बिजनेस डेस्क:

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) केवी सुब्रमण्यम ने कहा है कि 2021-22 का 1.75 लाख करोड़ रुपए का विनिवेश लक्ष्य काफी हद तक हासिल होने योग्य है। सुब्रमण्यम ने शनिवार को कहा कि एलआईसी के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से ही सरकार को एक लाख करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है।

सीईए ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को लक्ष्य में रखने का जो लक्ष्य दिया गया है, उससे उतार-चढ़ाव तथा मुद्रास्फीति के स्तर को कम करने में मदद मिली है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को 31 मार्च, 2021 तक वार्षिक मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) पर रखने का लक्ष्य दिया गया है। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक के एक वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुब्रमण्यम ने शनिवार को कहा कि 2021-22 के लिए 1.75 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश का लक्ष्य वास्तव में 31 मार्च को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष के 2.10 लाख करोड़ रुपए के लक्ष्य का शेष हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इसमें भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) का निजीकरण और एलआईसी का आईपीओ महत्वपूर्ण होंगे।

LIC के IPO से एक लाख करोड़ मिलने की उम्मीद

अनुमानों के अनुसार बीपीसीएल के निजीकरण से 75,000 से 80,000 करोड़ रुपए प्राप्त हो सकते हैं। एलआईसी के आईपीओ से ही एक लाख करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। सरकार बीपीसीएल में अपनी समूची 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसे आज की तारीख तक देश का सबसे बड़ा निजीकरण माना जा रहा है। जहां तक एलआईसी की सूचीबद्धता का सवाल है, सरकार ने इसी सप्ताह संसद में पारित वित्त विधेयक 2021 के जरिए एलआई अधिनियम में संशोधन कर लिया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, ''विनिवेश के ये आंकड़े काफी हद तक हासिल होने योग्य हैं। इनमें से कई पर काम शुरू हो गया है। अगले वित्त वर्ष में इन्हें पूरा कर लिया जाएगा। सुब्रमण्यम ने निजीकरण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने पिछले महीने कहा था कि सरकार का काम व्यापार करना नहीं है और उनका प्रशासन चार रणनीतिक क्षेत्रों को छोड़कर अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश को प्रतिबद्ध है। सुब्रमण्यम ने कहा कि भारत को अपनी वृद्धि की क्षमता को पूरा करने के लिए और बैंकों की जरूरत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका की आबादी भारत की एक-तिहाई है लेकिन वहां 25,000 से 30,000 बैंक हैं। भारत की दीर्घावधि की वृद्धि पर उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के 10 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की उम्मीद है। 2022-23 में यह घटकर 6.5 से 7 प्रतिशत रह सकती है। उसके बाद अर्थव्यवस्था 7.5 से 8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

रेलवे के लिए यह 'सबसे कठिन' वर्ष रहा, फिर भी माल ढुलाई सबसे ज्यादा हुई: गोयल

नई दिल्ली:

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय रेल को 'अपने बल पर चलने वाली, पर्यावरण-अनुकूल और समय की पाबंद' परिवहन प्रणाली के रूप में नये भविष्य के लिए तैयार करने का शुक्रवार को आह्वान करते हुए हुए अधिकारियों से कहा कि रेलवे की सफलता से देश की सफलता जुड़ी है। रेलवे बोर्ड के सदस्यों और रेलवे जोन के महाप्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए उन्होंने कहा कि 2020-21 भारतीय रेल के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण बर्ष रहा है। इस दौरान कोविड-19 के कारण रेलवे की सभी सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गई थीं। रेल मंत्री ने कहा , 'यह वर्ष रेलवे के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण रहा। कोविड-19 के दौरान रेलवे ने चुनौती का मुकाबला करने की अपनी क्षमता का परिचय दिया और पहले से अधिक मजबूत बनकर उभरी। रेलवे की सोच में बड़ा बदलाव हो चुका है। नयी प्रौद्योगिकी के प्रयोग और नवप्रवर्तन से रेलवे ने नए मानक स्थापित किए हैं।' उन्होंने कहा, 'यह भारतीय रेल का भविष्य फिर से निर्धारित करने का समय है। रेलवे को अपने बल पर दौड़ने वाली, स्वच्छ ऊर्जा से परिचालित और समय की पाबंद राष्ट्रीय परिवहन प्रणाली के रूप में इस तरह स्थापित करना है कि यह कारोबार करने वालों की पहली पसंद हो।' उन्होंने रेलकर्मियों को इस बात के लिए बधाई दी कि चुनौती के इस समय में भी उनके प्रयास से चालू वित्त वर्ष में रेलवे ने 122.3 करोड़ टन माल की ढुलाई की जो ' उत्साहजनक संदेश देता है।' इस दौरान 5,900-कलोमीटर रेलपथ का विद्युतीकरण किया गया। यह एक नया कीर्तिमान है। रेल मंत्री ने कहा कि 2020-21 में रेलवे ने माल ढुलाई से 1,14,652.47 की कमाई की जहो एक साल पहले के 1,12,358.83 करोड़ रुपये की कमाई की तुलना में 2 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्शाता है।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने भूषण पावर के वित्तीय ऋणदाताओं को 19,350 करोड़ रु. का भुगतान किया

नई दिल्ली:

जेएसडब्ल्यू स्टील ने भूषण पावर एंड स्टील (बीपीएसएल) के वित्तीय ऋणदाताओं को 19,350 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भूषण पावर एंड स्टील के अधिग्रहण के लिए समाधान योजना के क्रियान्वयन को जेएसडब्ल्यू स्टील ने यह भुगतान किया है। इस कदम के साथ ही जेएसडब्ल्यू स्टील ने भूषण पावर एंड स्टील का अधिग्रहण को पूरा कर लिया है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने बीएसई को भेजी सूचना में कहा, ''समाधान योजना के क्रियान्वयन के साथ बीपीएसएल के वित्तीय ऋणदाताओं को 19,350 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। साथ ही एसपीवी यानी विशेष इकाई के बीपीएसएल में विलय के साथ, पियोम्बिनो स्टील लि. (पीएसएल) के पास अब बीपीएसएल के 100 प्रतिशत इक्विटी शेयर हो गए हैं।'' जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि पियोम्बिनो स्टील लि. में 8,614 करोड़ रुपए के कोष की व्यवस्था की गई है। यह कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है।

यूपीआई भुगतान क्षेत्र में बाजार हिस्सेदारी सीमा तय करने से Paytm को होगा फायदा

नई दिल्ली:

यूपीआई डिजिटल भुगतान में समानता लाने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने किसी तीसरे पक्ष की ओर से चलाई जाने वाली यूपीआई भुगतान सेवा के लिए लेनदेन की सीमा कुल लेनदेन की संख्या की 30 प्रतिशत तय करने को लेकर दिशानिर्देश जारी किए हैं। यह विविध अवसर प्रदान करने में मदद करेगा और यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के बाजार प्रभुत्व को रोक देगा, क्योंकि यह आगे बढ़ रहा है। एनपीसीआई का मानना है कि निश्चित रूप से यूपीआई वॉल्यूम में तेजी से वृद्धि होगी और यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के सभी दिग्गजों के पास अपने वॉल्यूम को और अधिक बढ़ाने का अवसर होगा। इसका प्रभावी रूप से मतलब यह है कि कोई भी भुगतान प्रदाता सभी यूपीआई लेनदेन के 30 प्रतिशत से अधिक की प्रक्रिया नहीं कर पाएगा।

इससे भुगतान पद्धति में समानता आएगी और सभी को समान यूपीआई लेनदेन की मात्रा हासिल करने में मदद मिलेगी। पिछले साल नवंबर में एनपीसीआई ने इस साल 1 जनवरी से एक व्यक्तिगत यूपीआई दिग्गजों के बाजार में हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत तक सीमित करते हुए बाजार हिस्सेदारी नीति पेश की थी। यह जोखिम से निपटने और पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) की सुरक्षा के लिए किया गया था, क्योंकि फोनपे, गूगल पे सहित दिग्गज डिजिटल प्लेटफॉर्म ने प्रमुख बाजार हिस्सेदारी का दावा किया है, जिससे एकाधिकार का डर पैदा हो गया है। आसान शब्दों में कहें तो यह फैसला भविष्य में किसी भी थर्ड पार्टी ऐप की मोनोपॉली रोकने और उसे साइज के हिसाब से मिलने वाले विशेष फायदे से रोकने के लिए किया है। एनपीसीआई ने कहा कि भारत में खुदरा भुगतान के लिए गैर-लाभकारी अम्ब्रेल बॉडी द्वारा छह महीने तक की छूट ग्राहक-व्यवधान को रोकने के लिए मामला-दर-मामला आधार पर प्रदान की जा सकती है। एनपीसीआई ने सभी टीपीएपी और पीएसपी को जारी एक परिपत्र में कहा, 'इसमें उपयोग किया जाने वाला डिजाइन सिद्धांत उपयोगकर्ता के माध्यम से तृतीय पक्ष एप्लिकेशन प्रदाता के भुगतान प्लेटफॉर्म पर वॉल्यूम कैप को नियंत्रित करना है।'

एक तरफ जहां फोनपे और गूगल पे केवल यूपीआई आधारित ऐप हैं, वहीं फिनटेक दिग्गज कंपनी पेटीएम एकमात्र ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो पेटीएम वॉलेट, पेटीएम यूपीआई, कार्ड और नेट-बैंकिंग सहित सभी डिजिटल लेनदेन के तरीकों को सपोर्ट करता है।

रिजर्व बैंक ने PMC बैंक पर 30 जून तक बढ़ाया प्रतिबंध

नई दिल्ली:

भारतीय रिजर्व बैंक और पीएमसी बैंक संभावित निवेशकों के साथ जमाकर्ताओं के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखकर बातचीत कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को कहा कि इस प्रक्रिया में अभी कुछ और समय लग सकता है क्योंकि उसने घोटाले का शिकार हुए शहरी सहकारी बैंक पर अंकुशों को तीन महीने के लिए और बढ़ाकर 30 जून तक कर दिया है। सितंबर, 2019 में रिजर्व बैंक ने पीएमसी के बोर्ड को भंग कर दिया था और बैंक को नियामकीय अंकुशों के तहत डाल दिया था। इनमें बैंक के ग्राहकों द्वारा अपने खातों से निकासी को लेकर अंकुश भी थे। इन अंकुशों कई बार आगे बढ़ाया जा चुका है। पीएमसी बैंक को कुछ निवेशकों से अपने पुनर्गठन के लिए पक्की पेशकश मिली हैं। इस बारे में बैंक ने तीन नवंबर, 2020 को रुचि पत्र (ईओआई) निकाला था। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि रिजर्व बैंक और पीएमसी बैंक इस समय कई संभावित निवेशकों से बात कर रहे हैं ताकि बैंक के जमाकर्ताओं और अन्य अंशधारकों की दृष्टि से सर्वोत्तम संभावित शर्तें हासिल की जा सकें और साथ ही पुनर्गठित इकाई की दीर्घावधि की व्यवहार्यता सुनिश्चित हो सके। रिजर्व बैंक ने कहा कि पीएमसी बैंक की वित्तीय स्थिति तथा प्रक्रिया की जटिलता को देखते हुए इसमें कुछ और समय लगने की संभावना है।

वनडे सुपर लीग में भारत 8वें स्थान पर

नई दिल्ली. इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को खेले गए दूसरे वनडे के बाद भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग की अंकतालिका में आठवें नंबर पर हैं। भारत ने अब तक पांच मैच खेले हैं, जिसमें उसने दो जीते हैं और तीन हारे हैं जबकि उसके 19 अंक हैं। धीमी ओवर की गति के कारण उसे एक गंवाना पड़ा था। इंग्लैंड 40 अंकों के साथ टॉप पर कायम है जबकि आस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर हैं। वहीं, न्यूजीलैंड तीसरे और अफगानिस्तान चौथे नंबर पर है। दोनों के तीन तीन मैचों से 30-30 अंक है। बांग्लादेश (30), वेस्टइंडीज (30) और पाकिस्तान (20) 5वें, 6वें और 7वें स्थान पर हैं जबकि जिम्बाब्वे, आयरलैंड और श्रीलंका क्रमशः 9वें, 10वें और11 वें नंबर पर हैं। वनडे सुपर लीग में 13 टीमें हैं और इन्हीं टीमों में से भारत में 2023 में होने वाले विश्व कप टीमों का फैसला होगा। हालांकि तालिका में भारत के स्थान से उसे ज्यादा नुकसान नहीं होगा क्योंकि भारत मेजबान होने के नाते सीधे ही इस टूर्नामेंट में प्रवेश करेगा। 31 मार्च 2023 तक मेजबान भारत सहित टॉप सात टीमें इस टूर्नामेंट के क्वालीफाई करेगी जबकि बाकी पांच टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेगी।

पुणे वनडे

निर्णायक मुकाबले में भारत को चाहिए शुरुआती सफलता

पुणे.

भारत और इंग्लैंड की क्रिकेट टीमें रविवार को यहां महाराष्ट्र क्रिकेट संघ मैदान पर होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरेगी और इस मैच को जीतने वाली टीम सीरीज भी अपने नाम कर लेगी। भारत ने पहला वनडे 66 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। लेकिन इंग्लैंड ने शुक्रवार को दूसरे वनडे में जोरदार वापसी की और छह विकेट से मैच जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। पहले मैच में जहां भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी की तो, वहीं दूसरे मैच में मेजबान टीम के गेंदबाज अपनी लय में नहीं दिखे और वे 336 रन के स्कोर का भी बचाव नहीं कर पाए। स्पिनर कुलदीप यादव और क्रुणाल पांड्या टीम के चौथे और पांचवें गेंदबाज थे, उन्होंने 16 ओवर में 156 रन लुटा डाले। उनकी तुलना में इंग्लैंड के मोईन अली और आदिल रशीद बेहतर थे। अंतिम वनडे में भारत कुलदीप को आराम देकर लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को ला सकता है। चहल को अंतिम दो टी20 और पहले वनडे में मौका नहीं मिला था। तेज गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन दोनों मैच में नई गेंद के साथ वे ज्यादा प्रभावशाली नहीं रहे। इंग्लैंड के ओपनर जेसन रॉय और जॉनी बेयरस्टो ने दोनों मैच में शतकीय साझेदारी करके नई गेंद के साथ भारतीय गेंदबाजों की कमियों को उजागर कर दिया। भारतीय तेज गेंदबाज एम प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि नई गेंद के साथ उन्हें गेंदबाजी में और ज्यादा सुधार करने की जरूरत है। कृष्णा ने पहले वनडे में चार और दूसरे वनडे में 58 रन देकर दो विकेट लिए। कृष्णा ने मैच के बाद कहा था, ÷व्यक्तिगत रूप से, मुझे अच्छी शुरूआत करना होगा। मुझे नई गेंद के साथ खुद में और सुधार करना होगा। मैंने आज खराब गेंदों पर रन दिए, इसलिए मुझे इसमें सुधार करना होगा।÷ इंग्लैंड के ओपनरों को अच्छी शुरुआत देने का मतलब है कि वे बल्लेबाजी क्रम में बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। हाल के समय में वनडे में उनकी बल्लेबाजी काफी मजबूत रही है। उनके ओपनरों के अलावा उनके पास आलराउंडर बेन स्टोक्स भी हैं, जिन्होंने शुक्रवार को नंबर-3 पर आकर बल्लेबाजी करते हुए 52 गेंदों पर 99 रन की आक्रामक पारी खेलकर भारत को मैच से दूर कर दिया था। मेजबान टीम की भी बल्लेबाजी अच्छी दिख रही है। मध्यक्रम में लोकेश राहुल फॉर्म में आ चुके हैं और दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलकर आलोचकों को करारा जवाब दिया है। चोटिल श्रेयस अय्यर के स्थान पर दूसरे वनडे में शामिल हुए ऋषभ पंत ने भी 40 गेंदों पर 77 रनों की पारी खेली थी। तीसरे वनडे में एक बार फिर से सबकी नजरें कप्तान विराट कोहली पर होगी, जोकि वनडे में लगातार चार अर्धशतक लगा चुके हैं, लेकिन वे उसे शतक में तब्दील नहीं कर पा रहे हैं। दोनों टीमें आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप-3 में हैं और वे आक्रामक तथा निडर क्रिकेट खेलना जानते हैं।

विजयवीर और तेजस्विनी ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली ।

भारत के विजयवीर सिद्धू और तेजस्विनी ने आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) विश्व कप में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मिश्रित टीम में शनिवार को स्वर्ण पदक हासिल किया। स्वर्ण पदक मुकाबला दो भारतीय जोड़ियों के बीच था जहां विजयवीर और तेजस्विनी की जोड़ी ने गुरप्रित सिंह और अभिदन्या अशोक पाटिल की मिश्रित जोड़ी को यहां डा. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में 9-1 से हराया। क्वालीफिकेशन दो में गुरप्रीत और पाटिल की मिश्रित जोड़ी 370 अंक के साथ शीर्ष पर थी जबकि 16 साल की तेजस्विनी और 18 साल के वजयवीर की जोड़ी 368 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर थी। इससे पहले शुक्रवार को विजयवीर ने अनीश भानवाला और गुरप्रीत जैसे भारतीय निशानेबाजों को पछाड़ कर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत रजत पदक जीता था। भारतीय टीम 13 स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक लेकर साथ कुल 27 पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

बैडमिंटनः भारत के गारागा-पांजला ओर्लियंस मास्टर्स पुरुष युगल फाइनल में

ऑर्लियन्स (फ्रांस). भारत के कृष्ण प्रसाद गारागा और विष्णु वर्धन गौड़ पांजला ने शनिवार को यहां ऑर्लियन्स मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इन दोनों ने केवल 35 मिनट में इंग्लैंड के कैलम हेमिंग और स्टीवन स्टालवुड को 21-17, 21-17 से हराया। हालांकि, अन्य भारतीयों ने महिला एकल में चौथी वरीयता प्राप्त सायना नेहवाल और आठवीं वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी अश्विनी पोनप्पा और एन. सिक्की रेड्डी को अपने-अपने सेमीफाइनल मैचों में हार का सामना करना पड़ा। सायना डेनमार्क की गैर-वरीयता प्राप्त लिन क्रिस्टोफरसेन से 17-21, 17-21 से हार गईं जबकि अश्विनी-सिक्की की जोड़ी थाईलैंड की शीर्ष वरीय जोंगकोल्पन किताथरकुल और राविंडा प्रोंगसजाई से 18-21, 9-21 से हार गई।

लगातार 22वीं जीत के साथ ओसाका मियामी ओपन के तीसरे दौर में पहुंची

मियामी ।

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में शुक्रवार को अजला तोम्लजानोविच को हारा कर लगातार 22वीं जीत दर्ज की। जापान की खिलाड़ी ने 7-6, 6-4 से मैच अपने नाम किया। ओसाका लगभग एक साल से अजेय है और इस दौरान उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। तीसरे दौर में पहुंच चुकी ओसाका अगर एक और जीत दर्ज करती है तो इस टूर्नामेंट में यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। पुरुष वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को विश्व रैंकिंग में 83वें स्थान पर काबिज एमिल रूसूवोरी से 1-6, 6-3, 6-1 से हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष वरीय दानिल मेदवेदेव ने येन-ह्सुन लू को एक घंटे से भी कम समय में 6-2, 6-2 से शिकस्त दी वरीयता प्राप्त कुछ अन्य खिलाड़ियों डेविड गोफिन (आठवीं वरीयता), ग्रिगोर दिमित्रोव (नौवीं वरीयता) और रीले ओवेल्का (30वीं वरीयता) को हार का सामना करना पड़ा। गोफिन को जेम्स डकवर्थ ने 6-3, 6-1 जबकि दिमित्रोव को कैमरून नोर्रे ने 7-5, 7-5 से हराया। ओपेल्का को एलेक्सी पोपीरिन ने 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। महिलाओं के अन्य मुकाबलों में 10वीं वरियता प्राप्त किकी बार्टेस को ल्यूडमिला सैमसनोवा ने 6-2, 6-1 जबकि जेनिफर बार्डी को सारा सोर्रिबस तोर्मो ने 3-6, 6-4, 6-1 से मात दी। चौथी वरीयता प्राप्त सोफिया केनिन ने एंड्रिया पेटकोविच को 6-7, 6-1, 6-3 से शिकस्त दी।

उनके अलावा कैरोलिना प्लिस्कोवा, बियांका आंद्रेस्क्यू, गर्बिने मुगुरुजा और एलिसे मार्टेंस ने भी जीत दर्ज की।

संक्षिप्त समाचार

बैडमिंटन : सायना ऑर्लियंस मास्टर्स के सेमीफाइनल में हारीं

ऑर्लियंस (फ्रांस)। भारत की अग्रणी महिला खिलाड़ी सायना नेहवाल को यहां जारी ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में शनिवार को हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट की चौथी वरीय खिलाड़ी सायना को सेमीफाइनल मुकाबले में डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफर्सन के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। क्रिस्टोफर्सन ने 28 मिनट तक चले मुकाबले में सायना को 21-17 21-17 से मात दी। इन दोनों के बीच यह अब तक की पहली भिड़ंत थी। फाइनल में अब क्रिस्टोफर्सन का सामना तीसरी सीड थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुं गफन से होगा। महिला युगल में भी भारत को निराशा हाथ लगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेडड़ी की जोड़ी को शनिवार को सेमीफाइनल में थाईलैंड की शीर्ष वरीय जोंगकोल्फन किताथरकुल और राविंडा प्रांगोंगजई से 18-21, 9-21 से मात खानी पड़ी। भारतीय जोड़ी 37 मिनट में मुकाबला गंवा बैठी।

हम किसी बड़े स्कोर से नहीं डरते : स्टोक्स

पुणे. इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि टीम की निडरता ने भारत को दूसरे वनडे में हराने में उनकी मदद की। स्टोक्स ने शुक्रवार को भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में 52 गेंदों पर ही इतिहास में सबसे तेज 99 रन बना डाले और इंग्लैंड को छह विकेट से जीत दिला दी। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'पहले मैच की तुलना में यह अच्छा विकेट था। पिछले कुछ वर्षों से हमने बड़े स्कोर किए हैं और बड़े लक्ष्यों को हासिल किया है। ईमानदारी से कहूं तो हम किसी भी लक्ष्य से नहीं डरते। अपनी पारी में 10 छक्के लगाने वाले स्टोक्स ने कहा, 'हम हमेशा सकारात्मक क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं। अगर हम ऐसी स्थिति में फंसते हैं तो हम हमेशा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हैं।' स्टोक्स ने जॉनी बेयरस्टो (124) के साथ दूसरे विकेट के लिए 114 गेंदों पर 175 रनों की साझेदारी की।उन्होंने आगे कहा, ' हमारे लिए अच्छी बात यह रही कि एक टीम के तौर पर हम अपने रवैये से नहीं भटके। पहले वनडे के बाद हम निराश थे। भारत के बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद भी आज हम आसानी से जीत दर्ज कर के खुश हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े जडेजा, टीम सौंप सकती है बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई ।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हुए भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपनी आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के शिविर में शामिल हो गए हैं, जो वर्तमान में मुंबई में चल रहा है। टीम अगले महीने शुरू हो रहे आईपीएल 2021 सत्र के लिए प्रशिक्षण और तैयारियां कर रही हैं। अंगूठे की चोट से उम्मीद से पहले उबरे जडेजा लंबे क्रिकेट ब्रेक के बाद वापसी कर रहे हैं। भारत के इस हरफनमौला खिलाड़ी को जनवरी 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में बाएं अंगूठे में गंभीर फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा था और इसके बाद से वह क्रिकेट नहीं खेल पाए थे। इसके चलते उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पूरी श्रृंखला से बाहर होना पड़ा। यहां तक कि आईपीएल में उनकी उपलब्धता पर भी संदेह बन गया था, लेकिन जडेजा उम्मीद से पहले चोट से उबर कर सीएसके के साथ जुड़ने के लिए मुंबई पहुंच गए हैं। फिलहाल जडेजा दक्षिण मुंबई के एक होटल में सात दिन के अनिवार्य क्वारंटीन में हैं, जिसके बाद वह टीम के साथ प्रशिक्षण में भाग लेंगे। जडेजा ने हाल ही में बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपना प्रशिक्षण शुरू किया और यही से वह मुंबई के लिए रवाना हुए। सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने शनिवार को कहा कि जडेजा अच्छी स्थिति में लग रहे हैं और हमे उम्मीद कर रहे हैं कि वह पहले मुकाबले में उपलब्ध हों। विश्वनाथन ने टीम के उपकप्तान संबंधी एक सवाल के जवाब में कहा कि हम टूर्नामेंट के एकदम नजदीक आने पर उपकप्तान चुनेंगे। सुरेश रैना को अभी तक दोबारा उपकप्तान घोषित नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से ही रैना सीएसके के उप कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन इस बार जडेजा को टीम के उपकप्तान का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। रैना पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में आईपीएल शुरू होने से पहले ही निजी कारणों के चलते वापस स्वदेश लौट आए थे। पर आगामी आईपीएल सत्र के लिए वह गत बुधवार को टीम के शिविर से जुड़ गए थे। फिलहाल वह कप्तान महेंद्र सिंह धोनी समेत अन्य खिलाड़ियों के साथ क्वारंटीन में हैं। विदेशी खिलाड़ियों का टीम में शामिल होना अभी बाकी है। टीम को प्रशिक्षण के लिए ब्रेबोर्न स्टेडियम उपलब्ध कराया गया है। तीन बार की आईपीएल विजेता सीएसके मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आगामी 10 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ अपना आईपीएल अभियान शुरू करेगी।

आईपीएल में गेंदबाजों के लिए खतरनाक हो जाएगा बेन स्टोक्स : बटलर

पुणे।

बेन स्टोक्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों के लिए खतरा बन जाते हैं और इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जोस बटलर ने उम्मीद जताई है कि उनके शीर्ष हरफनमौला का यह फॉर्म इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए भी जारी रहेगा। स्टोक्स को पहले दो वनडे में बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया और उन्होंने दूसरे वनडे में 10 छक्कों के साथ 99 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। बटलर ने भारत के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले कहा- उसे गेंदबाजी करना खतरनाक है और उम्मीद है कि कल के बाद वह आईपीएल में भी इस लय को कायम रखेगा। उन्होंने कहा- हम सभी को पता है कि वह क्या कर सकता है। पिछ्ले कुछ साल में उसकी बल्लेबाजी में लगातार सुधार आया है और हमने सभी प्रारूपों में ऐसा देखा है। उन्होंने कहा- तीसरे नंबर पर उसकी बल्लेबाजी देखकर अच्छा लगा। वह खेल से पूरी तरह से जुड़ा रहता है और यही वजह है कि उस क्रम पर इतना शानदार प्रदर्शन किया। बटलर ने कहा- हमसे बार बार पूछा जाता है कि मैं किस क्रम पर बल्लेबाजी करूंगा या जॉनी को कहां उतरना चाहिए। हमारे पास सीमित ओवरों के क्रिकेट में इतने प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं कि जो ज्यादा से ज्यादा गेंद खेलना चाहते हैं। चयनकर्ताओं के सामने यह अच्छी दुविधा है।

वॉन ने भारतीय बल्लेबाजी पर उठाए सवाल, कहा- इसका खामियाजा विश्व कप में भुगतना पड़ेगा

पुणे । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि पहले 40 ओवर में रक्षात्मक खेल दिखाने का खामियाजा भारत को दो साल बाद अपनी मेजबानी में होने वाले विश्व कप में भुगतना पड़ सकता है। भारत ने हमेशा से आखिरी दस ओवर में तेजी से खेलने की रणनीति अपनाई है। कई बार यह कारगर साबित होती है लेकिन विश्व चैम्पियन इंग्लैंड ने दिखा दिया है कि मददगार पिच पर शुरू ही से आक्रामक बल्लेबाजी करना कितना फायदेमंद हो सकता है। पहले दो वनडे में भारत ने धीमी शुरूआत के बाद आखिरी दस ओवरों में 112 और 126 रन बनाए। वॉन का मानना है कि विराट कोहली और उनकी टीम सपाट पिच पर 375 से अधिक रन बना सकती है और उसे शुरू ही से आक्रामक खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले 40 ओवर रक्षात्मक खेलने और बाद में तेज खेलने से उन्हें दो साल बाद विश्व कप में नुकसान हो सकता है। उनके पास 375 से अधिक रन बनाने का माद्दा है। इंग्लैंड की यही रणनीति रही है।

दिव्यांग खिलाड़ियों का डीपीएल 8 अप्रैल से शारजाह में

नई दिल्ली ।

दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा 8 अप्रैल से 15 अप्रैल तक शारजाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों का दिव्यांग प्रीमीयर लीग (डीपीएल) आयोजित किया जाएगा। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों से चुने हुए 90 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चेन्नई सुपर स्टार, दिल्ली चेलैंजर, कोलकाता नाइट फाइटर्स, मुंबई आइडियल गुजरात हिटर्स और राजस्थान रजवाड़ा के नाम से डीपीएल में छह टीमें होंगी। टूर्नामेंट राउंड रोबिन फार्मूला के तहत होगा।

15 अप्रैल को होगा फाइनल मुकाबला

आयोजक सचिव हारून रशीद ने बताया 8 अप्रैल को उद्घाटन वाले दिन एक मैच खेला जाएगा 10 से 13 अप्रैल तक रोजाना तीन, 14 को दो मैच तो 15 अप्रैल को फाइनल खेला जाएगा। 8 दिन चलने वाले इस महा आयोजन में चेन्नई सुपर स्टार की कप्तानी सचिन शिवा, मुंबई आइडियल की कप्तानी बृजेश द्विवेदी, कोलकाता नाइट फाइटर्स कप्तान सूवरो जॉर्डर, गुजरात हिटर्स के कप्तान चिराग गांधी, राजस्थान रजवाड़ा के कप्तान सैयद शाह अजीज, तथा दिल्ली चैनेंजर्स के कप्तान यादविंदर सिंह खेड़ा को बनाया गया है।

दिव्यांग क्रिकेटरों का अहम आयोजन

डीपीएल कमिश्नर शमीम ए खान ने बताया यह दिव्यांग क्रिकेटरों के इतिहास का सबसे बड़ा और महंगा आयोजन है इसकी तैयारियां अंतिम रूप में पहुंच चुकी है और दिव्यांग खिलाड़ी भी अपना खेल शारजाह के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दिखाने को बेताब है लेकिन एक चिंता का सबब भी है कि वर्तमान में कोरोना की जो स्थिति है उसका असर इस कार्यक्रम पर ना पड़ जाए।

अगले साल आठ टीमें बनेंगी

डीपीएल के कोऑर्डिनेटर रमेश कानन ने बताया कि अगले आयोजन में 8 टीम बनाई जाएंगी जिनमें 10 खिलाड़ी भारतीय होंगे तथा पांच विदेशी खिलाड़ी होंगी। खिलाड़ियों की बोली भी लगेगी। मिनिमम बोली पचास हजार से शुरू होगी। कानन ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों को पैसा मिलने से उनका हौसला और भी बुलंद होगा।

शारजहा को विशेष तौर पर चुना

डीपीएल को शारजाह में ही आयोजित करने पर दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया के महासचिव हारून रशीद ने कहा कि पिछले वर्ष संपूर्ण विश्व में कोरोनावायरस के कारण खेलकूद रुके रहे। इस बीच आईपीएल का आयोजन दुबई, शारजाह और अबू धाबी में किया गया।

सुनील गावस्कर बोले - रैड बॉल फॉर्मेट में हिट हो सकते हैं प्रसिद्ध कृष्णा, बशर्ते

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का कहना है कि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अपनी गति और सीम-अप स्थिति को देखते हुए रैड बॉल फॉर्मेट में हिट हो सकते हैं। प्रसाद के बारे में गावस्कर की टिप्पणी तब आई जब वे पुणे में महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे वनडे पर बात कर रहे थे। गावस्कर ने कहा- मैं आपको बताता हूं कि सीम-अप डिलीवरी के साथ, वह कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे भारतीय चयन समिति को लाल गेंद (टेस्ट) के लिए गंभीरता से विचार करना चाहिए। गावस्कर ने कहा- टी 20 और वनडे से जसप्रीत बुमराह, टेस्ट फॉर्मेट में अब भारत के प्रीमियम गेंदबाज बन गए हैं। तेजस्वी कृष्णा अपनी गति और सीम-अप स्थिति के साथ-साथ बहुत अच्छे रेड-बॉल गेंदबाज भी हो सकते हैं। कृष्णा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में अपना वनडे डेब्यू किया। अपने डेब्यू में उन्होंने चार विकेट लिए और उन्होंने डेब्यू पर एक भारतीय द्वारा सर्वश्रेष्ठ आंकड़े भी दर्ज किए। दूसरे वनडे में, जिसे भारत ने छह विकेट से हराया, कृष्णा ने जॉनी बेयरस्टो और जोस बटलर के 2 विकेट लिए। बेयरस्टो और बेन स्टोक्स ने क्रमशः 124 और 99 रनों की पारी खेली। इसके साथ ही इंग्लैंड ने भारत को 39 गेंद रहते छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। निर्णायक अब रविवार को खेला जाएगा।

मिसाइल हमला झेलने वाला इजरायली जहाज गुजरात पहुंचा

जिस मिसाइल से इजरायल के जहाज पर हमला हुआ वह ईरानी सेना की ओर से दागा गया था : रिपोर्ट

अहमदाबाद ।

इजरायल का एक मालवाहक जहाज शुक्रवार को गुजरात के कच्छ जिले में स्थित मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा । इस मालवाहक जहाज पर गुरुवार को अरब सागर में एक ईरानी मिसाइल द्वारा हमला किया गया था जिसमें जहाज को काफी नुकसान पहुंचा है। हमले के वक्तइस जहाज में कुछ भारतीय भी मौजूद थे । शुरुआती मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जिस मिसाइल से इजरायल के जहाज पर हमला हुआ वह ईरानी सेना की ओर से दागा गया था । हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है । इजरायल के सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह जहाज गुरुवार को जब क्षतिग्रस्त किया गया तो वह तंजानिया से भारत की ओर आ रहा था । एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मिसाइल हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ, लेकिन जहाज को काफी नुकसान हुआ । इसके इंजन में भी खराबी आने की बात कही जा रही है । जहाज भारत के पश्चिमी तट की ओर अपनी यात्रा जारी रखेगा । इजरायल के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह इस हमले की जांच कर रहे हैं । अधिकारियों मानना है कि हमले के पीछे ईरान है । वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर जहाज पर विस्फोट करने का आरोप लगाया ।

दोनों देशों के बीच पिछले कुछ समय में काफी तनाव देखने को मिल रहा है । वहीं भारतीय सुरक्षा एजेंसियां भी मामले की बारीकी से निगरानी कर रही हैं । मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पोर्ट सिटी हाएफा में मौजूद एक्सटी मैनेजमेंट इस जहाज का मालिकाना हक रखते हैं । हमले के बाद ये जहाज काफी धीमी गति से चल रहा था, लेकिन तीन घंटे बाद जहाज ने अपनी सामान्य स्पीड पकड़ ली थी ।

सूरत में अंबानी स्कूल के पास बेकाबू कार ने लड़की को रौंदा

सुरत ।

सूरत में शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में एक लड़की की मौत हो गई । शहर के जेएच अंबानी स्कूल के पास देर रात एक बेकाबू लग्जरी कार ने तीन वाहनों को टक्कर मार दी। कार की चपेट में दो स्कूटी चालकों को ले लिया जिसमें से एक एक्टिवा सवार युवती की मौत हो गई । इस हादसे में एक युवक को भी गंभीर चोटें आई हैं । उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है । उधर सूचना मिलने पर पुलिस ने मौका-ए-वारदात पर पहुंचकर कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। कार चालक शराब के नशे में होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, वेसू चार रास्ता के पास स्थित जेएच अंबानी स्कूल के करीब शुक्रवार रात नौ बजे एक कार ने दो एक्टिवा वाहन चालकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक एक्टिवा पर सवार युवती की मौत हो गई । मृतक लड़की का नाम उर्वशी बताया जा रहा है जिसके सिर में गंभीर चोट आईं । स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर पुलिस की पीसीआर वेन मौके पर पहुंच गई । पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया । इस घटना का लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया । कार चालक का नाम अतुल बताया जा रहा है । जानकारी के मुताबिक कार चालक ने नशे में धुत्त होकर तीन वाहनों को टक्कर मारी। उधर पुलिस ने पूछताछ कर मामला दर्ज कर लिया है और आगे कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस उपनिरीक्षक की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

अहमदाबाद ।

गुजरात में सामाजिक कार्यकर्ता अमरा भाई बोरीचा हत्याकांड मामले में उच्च न्यायालय में पुलिस उपनिरीक्षक टीआर सोलंकी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अमरा की पुत्री ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सोलंकी को आरोपित मानकर गिरफ्तार करने की मांग की थी । निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी ने दलित सामाजिक कार्यकर्ता की हत्या मामले को विधानसभा में उठाया था । उन्होंने गांधीनगर में इस हत्याकांड के विरोध में प्रदर्शन करने के साथ गुजरात के कई शहरों में घटना के विरोध में ज्ञापन भी दिए । विधायक मेवाणी इस मामले को लेकर राज्य सरकार तथा गृह राज्य मंत्री पर भी लगातार आरोप लगा रहे हैं। इस कारण यह मामला काफी हाई प्रोफाइल बनता जा रहा है । गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बीएन कार्य ने सामाजिक कार्यकर्ता बोरीचा की पुत्री की याचिका के साथ ही पुलिस उपनिरीक्षक टीआर सोलंकी ने पुलिस प्राथमिकी से अपना नाम हटाने के लिए याचिका दाखिल करते हुए अदालत को बताया कि अमरा भाई तथा उसकी पुत्री ने गोवा पुलिस थाने के सनोदर गांव में कई लोगों के खिलाफ पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराई है। अमरा की पुत्री का आरोप है कि सुरक्षा मांगने के बावजूद पुलिस ने उनके पिता को सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई। इस कारण आरोपितों ने गत दो मार्च को घर में घुसकर उसके पिता की हत्या कर दी । सोलंकी ने अदालत में बताया कि पिछले सात साल की अपनी पुलिस सेवा के दौरान उनके ऊपर कोई आरोप नहीं लगे हैं तथा उनका पुलिस रिकॉर्ड भी ठीक रहा है। सोलंकी ने जांच में सहयोग का भरोसा देते हुए कहा कि उनको बिना वजह इस मामले में फंसाया जा रहा है। उनका कहना है कि किसी भी व्यक्तिको सुरक्षा देने के बारे में वह निश्चय नहीं कर सकते, यह पुलिस के कुछ अधिकारियों को करना होता है। न्यायाधीश कार्यालय इस मामले की सुनवाई के बाद राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए १६ जून, २०२१ तक जवाब पेश करने को कहा है। तब तक हाईकोर्ट ने सोलंकी की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए कहा कि इस मामले में जांच यथावत जारी रहेगी। १६ जून तक सोलंकी को

गिरफ्तार नहीं किया जा सकेगा। भावनगर जिले के सनोदर गांव निवासी अमरा भाई बोरीचा एक सामाजिक कार्यकर्ता थे तथा गांव की ही कुछ परिवारों के साथ मनमुटाव के चलते इनको पहले भी कई बार धमकियां दी गई थी। अमरा भाई ने घोघा पुलिस थाना को इसकी सूचना देते हुए सुरक्षा की मांग की, लेकिन पुलिस इस मामले में लापरवाही बरती रही और गत दो मार्च को १० लोगों ने उनकी घर में घुसकर हत्या कर दी थी। सभी १० आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

IIT गांधीनगर में पसरा कोरोना, २५ छात्र संक्रमित

आईआईटी गांधीनगर के संक्रमित पाए गए छात्र भी भारत-इंग्लैंड टी-२० मुकाबला देखने अहमदाबाद गए थे

अहमदाबाद ।

यूं तो पूरे गुजरात पर कोरोना संक्रमण का भयंकर खतरा मंडरा रहा है। इसी बीच खबर है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में कोरोना के कई पॉजिटिव केस मिले हैं । इससे पहले आईआईएम अहमदाबाद में कोरोना के कई केस सामने आए हैं। दिलचस्प बात ये है कि आईआईएम की तरह आईआईटी गांधीनगर के संक्रमित पाए गए छात्र भी भारत-इंग्लैंड टी-२० मुकाबला देखने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गए थे। आईआईटी गांधीनगर के कुल २५ छात्र कोरोना से संक्रमित पाए हैं । इनमें से कई छात्रों ने भारत और इंग्लैंड के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-२० मुकाबला देखा था। बता दें कि गांधीनगर नगर निगम क्षेत्र में भी कोरोना के २२ नए मामले सामने आए हैं । इनमें से अधिकांश की उम्र ३६ से ७९ के बीच है । संक्रमितों में एक सिविल जज और कई व्यवसायी शामिल हैं । बता दें कि आईआईएम अहमदाबाद में कोरोना के कई मामलों के आने के बाद हड़कंप मच गया था । शुक्रवार को यहां कोरोना से संक्रमित होने वालों की तादाद २२ से बढ़कर ४४ हो गई । जांच में पता चला कि ढ्ढ्ढरू के कुछ छात्र भारत-इंग्लैंड के

बीच हुए क्रिकेट मैच को देखने के लिए गए थे । जिसके बाद पांच छात्र कोरोना पॉजिटिव पाए गए। ढ्ढ्ढरू अहमदाबाद में कोरोना की एंट्री का पता लगाने के लिए प्रशासन ने सबसे पहले पॉजिटिव पाए गए पांच छात्रों से पूछताछ की । पूछताछ में पता चला कि १२ मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वे भारत-इंग्लैंड के बीच हुए क्रिकेट मैच देखने के लिए गए थे । कुल ६ छात्र उस दिन मैच देखने गए थे, जिनमें ५ छात्रों की कोरोना पॉजिटिव पाए गए।

एक सप्ताह के भीतर गुजरात में कोरोना के केसों की संख्या 65 प्रतिशत बढ़ी

अहमदाबाद ।

पिछले एक सप्ताह के भीतर गुजरात में कोरोना के संक्रमित मरीजों की संख्या में 65 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। गत 19 मार्च को 1415 कोरोना के केस दर्ज हुए थे और तब राज्य में 614। सक्रिय मरीज थे। जिसके बाद से इसमें हर दिन वृद्धि जारी है और 26 मार्च को 2190 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 10134 पर पहुंच गई है। अहमदाबाद और सूरत कोरोना के केस चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं। इन दोनों शहरों में कोरोना के रोजाना केसों की संख्य 600 को पार कर गई है। शुक्रवार को राज्य में कोरोना से 6 मरीजों की मौत हुई थी। जबकि 1422 मरीज कोरोना से ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में अब तक कोरोना के कुल 296320 केस दर्ज हो चुके हैं। जिसमें से 28 1।0। लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। फिलहाल राज्य में कोरोना के कुल 10134 सक्रिय मरीजों में 10051 स्टेबल हैं और 83 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में कोरोना से रिकवरी रेट घटकर 95.0। प्रतिशत हो गया है। पिछले । दिनों में राज्य में कोरोना के केस नया रिकार्ड बना रहे हैं। 19 मार्च को राज्य में 1415 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। 20 मार्च को 1565, 21 मार्च को 1580, 22 मार्च को 1640, 23 मार्च को 1।30, 24 मार्च को 1।90, 25 मार्च को 1961 और 26 मार्च को राज्य में पहली बार एक ही दिन में कोरोना के 2190 नए केस सामने आए।

ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित एच-सोशल क्रिएटर 2020 के टॉप 11 फाइनलिस्ट में चुने गए वलसाड के श्री सानिध्य सूर्यकांत पटेल

वलसाड।

ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड की सीएसआर इकाई ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन (एचएमआईएफ) ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित एच-सोशल क्रिएटर के दूसरे संस्करण के फाइनल का आयोजन किया, जिसमें वलसाड के एक छात्र ने अपना आइडिया पेश किया। एच-सोशल क्रिएटर एक सोशल इनोवेशन प्रोग्राम है, जिसकी शुरुआत सड़क सुरक्षा, पर्यावरण, स्वच्छ भारत एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में इनोवेटिव आइडिया दे सकने वाली युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है।

11 फाइनलिस्ट आइडिया में श्री सानिध्य सूर्यकांत पटेल ने अपना आइडिया 'ड्राइवर ड्रोजीनेस मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी' पेश किया इस आइडिया में एक टेक्नोलॉजी आधारित डिवाइस का इस्तेमाल किया जाता है, जो इस बात का आभास होते ही अलार्म बजा देता है कि ड्राइवर को झपकी आ रही है। बहुत सी सड़क दुर्घटनाएं ऐसी गलतियों के कारण होती हैं। इस टेक्नोलॉजी से सड़क सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस आइडिया को ज्यूरी के सदस्यों और 'एच-सोशल क्रिएटर अवार्ड्स' के फाइनल के दौरान उपस्थित रहे लोगों से काफी सराहना मिली।

एच-सोशल क्रिएटर 2020 के ग्रैंड फिनाले के मौके पर एचएमआईएल के एमडी व सीईओ श्री एस. एस. किम ने कहा, 'प्रोग्रेस फॉर ह्यूमैनिटी के अपने लक्ष्य को अपनाते हुए हम लोगों के सपनों को सच करने के लिए बेहतर परिस्थितियों के निर्माण की दिशा में काम रहे हैं। एच-सोशल क्रिएटर के दूसरे संस्करण के साथ ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन का लक्ष्य भारत के युवाओं व भविष्य की अगुआ पीढ़ी को सामाजिक बदलाव के लिए आइडिया तैयार करने, उसे डेवलप करने और उनका व्यावहारिक समाधान लागू करने की दिशा में प्रयासरत करना है।'

श्री किम ने आगे कहा, 'हम गवर्नमेंटइंजीनियरिंग कॉलेज, गांधीनगर, गुजरातके श्री सानिध्य सूर्यकांत पटेल को बधाई देते हैं, जिन्होंने सामाजिक बदलाव का आइडिया देकर एच-सोशल क्रिएटर 2020 के टॉप 11 फाइनलिस्ट में अपनी जगह बनाई। सभी प्रतिभागियों का उत्साह और नए आइडिया को विकसित करने की दिशा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने की उनकी ललक से एक बेहतर दुनिया का निर्माण होगा।'

एचएमआईएफ ने एच-सोशल क्रिएटर की स्थापना एक ऐसे प्लेटफॉर्म के तौर पर की है जो युवाओं को समस्याओं का समाधान खोजने और सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में प्रोत्साहित करे। एच-सोशल क्रिएटर के दूसरे संस्करण में 200 एजुकेशनल एवं टेक्निकल संस्थानों से वर्चुअल माध्यम से 520 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन मिले। 401 एंट्री में से 135 एंट्री सड़क सुरक्षा, 116 पर्यावरण के क्षेत्र में, 101 स्वास्थ्य की कैटेगरी में और 49 एंट्री स्वच्छ भारत कैटेगरी में आई। इसी के साथ, सभी प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए एक समर्पित कॉल सेंटर भी स्थापित किया गया था।

एच-सोशल क्रिएटर 2020 के लिए विजेताओं का चयन करने वाले सम्मानित ज्यूरी के सदस्यों और हस्तियों के पास सड़क सुरक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, टेक्नोलॉजी एवं सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में वर्षों का अनुभव एवं विशेषज्ञता है।

अहमदाबाद में रहते राजस्थान समाज के लोगो को होली का त्योहार मनाने के लिए अपने वतन जाने के लिए एस टी द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है।

वैक्सीन ड्राइव के तहत जन जागरूकता के लिए कोरोना केक काटा

सूरत।

एमबीबीएस, एमडी (गोल्ड मेडलिस्ट) फेलोशिप इन एंडोक्रिनोलॉजी लीलावजी अस्पताल मुंबई के डॉ. निश्चल चोवटिया द्वारा 24.3.2021 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें मधुमेह और कोरोना वैक्सीन से संबंधित जानकारी दी गई।

टीका अभियान के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सुनीता नंदवानी के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डॉ निश्चल लंबे समय तक मधुमेह दिल की बीमारी और अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों में कोरोना वैक्सीन और इसके दुष्प्रभाव का भी डर है, जिसे दूर करने के लिए उन्होंने लोगों से टीका लगाने की बात कही।

सूरत जुवेनाइल डायबिटीज क्लब इस क्लब की स्थापना के पीछे मुख्य उद्देश्य 17 वर्ष से कम आयु के बच्चों को टाइप -1 डायबिटीज फोर एम और उनके माता-पिता को टाइप -1 डायबिटीज के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना है। यह बच्चे अन्य बच्चों के जैसे नोर्मल जीवन जी सकते है यह समझना है।

लेप फाउंडेशन डॉ. निश्चल चोवटिया, सुनीता नंदवानी और उनके सहयोगियों मिलकर लेप फाउंडेशन की स्थापना करके लेप का अर्थ प्यार, स्वीकार, रक्षा है।

यह फाउंडेशन समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए स्थापित किया गया है। कार्यक्रम में मपपा स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष दर्शिनी कोठिया उपस्थित थीं। कोरोना केक उनके हाथ से कट गया था।

हिम्मतनगर शहर में नायब तहसीलदार को लूटा गया

साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर तहसील में नायब तहसीलदार कानडा से काडुला रोड से जा रहे थ

अहमदाबाद ।

उत्तर गुजरात के हिम्मतनगर में शुक्रवार देर शाम नायब तहसीलदार को चाकू की नोक पर लूट लिया गया । साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर तहसील में नायब तहसीलदार शुक्रवार शाम को कानडा से काडुला रोड से जा रहे थे, तभी अचानक बाइक सवार आए और चाकू की नोक पर नायब तहसीलदार से बैग में रखे ७००० रुपये लूट लिए । लुटेरों ने चाकू की नोक पर इस वारदात को अंजाम दिया। लूट की घटना के बाद लुटेरे बाइक पर सवार होकर फरार हो गए । नायब तहसीलदार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है । इधर, कोरोना महामारी के चलते करीब पांच माह के लॉकडाउन तथा नाइट कर्फ्यू के दौरान लोगों के बाहर निकलने पर रोक व लंबे समय तक सामाजिक तथा व्यापारिक गतिविधियों पर रोक के बावजूद अहमदाबाद में बीते एक साल में दुष्कर्म, हत्या के प्रयास तथा दुर्घटनाओं के मामलों में वृद्धि देखी गई है । हालांकि सभी तरह के अपराध को लेकर जिले में औसत आठ फीसदी की कमी भी देखी गई है। अहमदाबाद जिले में आत्महत्याओं के मामले में भी १३ फीसद की कमी आई है । उत्तर गुजरात के नंदू का विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक राजेश कुमार गोहिल के सवाल के जवाब में गुजरात सरकार ने विधानसभा में बताया कि वर्ष २०१९ के मुकाबले वर्ष २०२० में अहमदाबाद जिले में हुए । अपराधों में औसत ८ फीसदी की कमी देखी गई है लेकिन दुर्घटना दुष्कर्म के प्रयास हत्या के प्रयास जैसे अपराधों में कोरोना महामारी के

दौरान भी वृद्धि दर्ज की गई है । वर्ष २०१९ में अहमदाबाद शहर में दुष्कर्म के २५३ मामले दर्ज हुए थे जो २०२० में बढ़कर २६८ हो गये ।

दुर्घटना के कारण अहमदाबाद शहर में हुई मौत के मामलों में भी मामूली बढ़ोतरी हुई है । २०१९ में जहां १३०८ मामले दर्ज हुए थे वहीं २०२० में १३८५ मामले सामने आए । इसके अलावा हत्या के प्रयास के मामलों में भी मामूली बढ़ोतरी ही देखी गई । एक साल पहले जहां १३० मामले दर्ज हुए थे वही कोरोना काल में इन मामलों के १३३ केस दर्ज किए गए । हालांकि २०१९ में चोरी के मुकाबले जहां २९०७ दर्ज किए गए थे वहीं २०२० में चोरी के २३८६ मामले ही दर्ज हुए ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)